पटना ●बुधवार, 28 अगस्त 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:228 www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

अपर समाहर्ता ने की आंतरिक ... 3 www. bordernewsmirror.com तमन्ना भाटिया ने दिखाई... 8

शिंदे, शुभेंदु के बाद अब चंपई पर बीजेपी का दांव

महाराष्ट्र और बंगाल के बाद अब झारखंड में करेगी खेला

हर पार्टी के 'नंबर 2' पर दांव लगा रही है मोदी की पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंपई सोरेन कुछ दिनों में बीजेपी में शामिल होने जा रहे हैं। कुछ महीनों पहले तक झारखंड के मुख्यमंत्री बने चंपई सोरेन का सियासी करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचता दिख रहा था लेकिन फिर हेमंत सोरेन जेल से बाहर आए और चंपई की विदाई हो गई। अब उस विदाई का सियासी इफेक्ट यह रहा है कि चंपई सोरेन बगावती तेवर पर उतर आए हैं। पहले अपनी पार्टी छोड़ी और अब बीजेपी में जाने का फैसला किया।

बड़ी बात यह है कि इसे सिर्फ चंपई सोरेन का फैसला नहीं माना जा सकता, बीजेपी को भी अपना फायदा नजर आ रहा है। असल में झारखंड की राजनीति में आदिवासी वोट निर्णायक है, वहां भी कुछ क्षेत्रों में तो हार जीत उसी वोट पर टिकी है। अगर चंपई सोरेन की बात करें तो झारखंड के कोल्हन क्षेत्र में उनकी पकड़ जबरदस्त है। विधानसभा की 14 सीटें उसी इलाके से निकलती हैं, बीजेपी का तो यहां सूपड़ा साफ होता गया है। वही दूसरी तरफ जेएमम को जो जीत मिलती है, उसमें चंपई का हाथ सबसे अहम माना जाता है। यहां पर उनकी लोकप्रियता ही एक एक्स फैक्टर बन जाती है। इसी वजह से बीजेपी को भी अब चंपई के आने से अपने समीकरण सुधरते नजर आ रहे हैं। एक समझने वाली बात यह भी है कि झारखंड में बीजेपी के आदिवासी चेहरे भी पार्टी को मदद नहीं दिला पाए।

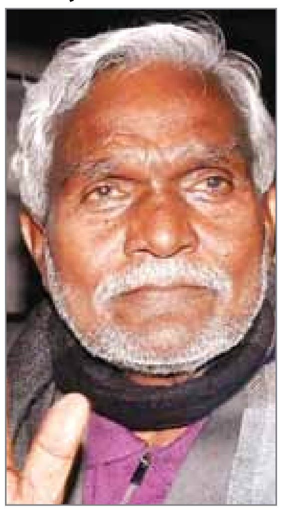

● पार्टियां टूटी, बगावत का खेल, फायदा बीजेपी को

अब तो ऐसे नेताओं की एक लंबी सूची तैयार हो चुकी है, लेकिन अगर ज्यादा पीछे ना भी चला जाए कुछ ऐसे बड़े नेता सामने आए हैं जिनके पाला बदलने से बीजेपी को फायदा भी हुआ और दूसरी पार्टी को उतना बड़ा नुकसान भी। इस लिस्ट में ज्योतिरादित्य सिंधिया, एकनाथ शिंदे, शुभेंदु अधिकारी, हिमंता बिस्वा, माणिक साहा जैसे कई नेताओं का नाम सामने आता है। यह सारे वो नेता हैं जो अपनी पिछली पार्टी में नंबर 2 की हैसियत रखते थे, उनके अपने मजबूत गढ़ बन चुके थे लेकिन बीजेपी का उन्हें जैसे ही साथ मिला, उन नेताओं की किस्मत तो बदल ही, पार्टी को भी जबरदस्त फायदा हुआ। ज्योतिरादित्य सिंधिया की बात करें तो उन्होंने तो शुरुआत से ही कांग्रेस के साथ एक वफादार पारी खेली है। राहुल गांधी के सबसे सगे, जिगरी भी वे दिखाई देते थे।

मायावती 5 साल और रहेंगी बसपा की अध्यक्ष

सतीश मिश्र ने प्रस्ताव रखा, सभी ने हाथ उठाकर समर्थन किया

लखनऊ (एजेंसी)। मायावती को एक बार फिर से बसपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। लखनऊ में मंगलवार को पार्टी कार्यालय में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सतीश मिश्र ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा। इसके बाद सभी सदस्यों ने हाथ उठाकर मायावती को अपना मुखिया चुना। मायावती 21 साल (18 सितंबर, 2003) से पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। हर 5 साल में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होता है। यानी 2029 तक मायावती राष्ट्रीय अध्यक्ष रहेंगी। मायावती ने सोमवार को कहा था कि सक्रिय राजनीति से रिटायरमेंट का सवाल ही नहीं उठता है। मैं आखिरी सांस तक बहुजन मिशन के लिए काम करती रहूंगी।

इतना छोटा माफीनामा दिख तक नहीं रहा है

पतंजलि केस में सुप्रीम कोर्ट ने अब आईएमए अध्यक्ष को फटकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष आर वी अशोकन को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने अशोकन द्वारा अखबारों में प्रकाशित माफीनामे पर असंतोष व्यक्त किया। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि आईएमए अध्यक्ष ने जो माफीनामा अखबारों में छपवाया वह पढ़ने में कठिन था और उसका फॉन्ट छोटा था। इसी के साथ न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अशोकन की ओर से पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता पी एस पटवालिया को 'द हिंदू' अखबार के 20 संस्करणों की प्रतियां एक हफ्ते के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, जिनमें उनकी माफी प्रकाशित की गई है। पीठ ने कहा, ''पब्लिकेशन का जरा साइज तो देखिए। हम इसे पढ़ भी नहीं पा रहे हैं। यह 0.1 सेमी से भी

कम है। अगर आपको कोई आपत्ति है तो हमें बताएं। हम इसे पढ़ने में सक्षम नहीं हैं। हम तब तक नहीं मानेंगे जब तक हमें विज्ञापन भौतिक रूप में न दिखें और हमें असली साइज न दिखाया जाए...हमारे सामने दाखिल माफीनामे का अंश अस्पष्ट है क्योंकि इसका फॉन्ट छोटा है। आईएमए अध्यक्ष के वकील को निर्देश दिया जाता है कि वह 'द हिंदू' के 20 प्रकाशनों की भौतिक प्रतियां एक सप्ताह के भीतर दाखिल करें जहां माफीनामे का प्रकाशन किया गया है।'' अशोकन ने गत नौ जुलाई को शीर्ष अदालत को बताया था कि 'एजेंसी' को दिए गए इंटरव्यू में उनके 'नुकसान पहुंचाने' वाले बयानों के लिए उच्चतम न्यायालय से उनकी बिना शर्त माफी विभिन्न प्रकाशनों में प्रकाशित हुई है। इंटरव्यू में उन्होंने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के भ्रामक विज्ञापन मामले के बारे में प्रश्नों के उत्तर दिए थे। पीठ ने 14 मई को सुनवाई के दौरान 'एजेंसी' को दिए गए इंटरव्यू में न्यायालय के खिलाफ अशोकन के 'हानिकारक' बयानों को लेकर उनसे कुछ कठिन सवाल पूछे थे और कहा था, ''आप ऐसा नहीं कर सकते कि आराम से सोफे पर बैठकर प्रेस को इंटरव्यू दें और अदालत की खिल्ली उड़ाएं।'' अदालत ने तब साफ किया था कि वह उस स्तर पर उनकी माफी के लिए दायर हलफनामे को स्वीकार नहीं करेगी।

अब कश्मीरी छात्राओं ने राहुल से पूछा शादी का प्लान

कांग्रेस नेता ने कहा-शादी के दबाव से बाहर निकल चुका हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से एक बार फिर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि वह शादी करने का प्लान नहीं बना रहे हैं, लेकिन अगर होती है तो (ठीक) है। हालांकि, वह 20-30 वर्षों से शादी के दबाव से बाहर निकल चुके हैं। राहुल ने पिछले हफ्ते जम्मू-कश्मीर की यात्रा के दौरान कश्मीरी छात्राओं के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने कश्मीरी छात्राओं के एक समूह के साथ इस बातचीत का वीडियो सोमवार को अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। वीडियो में दिख

रहा है कि कश्मीर की छात्राओं ने उनसे शादी की योजना के बारे में सवाल किया। इस पर कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं शादी का प्लान नहीं बना रहा हूं। उन्होंने उन लड़कियों से यह भी कहा कि वह अपनी शादी में उन्हें आमंत्रित करेंगे। राहुल गांधी ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इस केंद्र शासित प्रदेश को दिल्ली से चलाने का कोई मतलब नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा, 'प्रधानमंत्री के साथ मेरी समस्या यह है कि वह किसी की बात नहीं सुनते हैं। मुझे ऐसे किसी भी व्यक्ति से समस्या है जो शुरू से मान लेता है कि वह सही हैं। यहां तक कि अगर उसे कोई कुछ दिखा रहा है कि वह गलत है, तो वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे। ऐसे में इस प्रकार का व्यक्ति हमेशा कोई न कोई समस्या पैदा करता है।' उनका कहना था कि यह असुरक्षा से आता है, यह ताकत से नहीं आता है। यह कमजोरी से आता है। कांग्रेस नेता ने जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव के बारे में भी बात की। उन्होंने छात्राओं से कहा कि यह भारतीय इतिहास में पहली बार है कि किसी प्रदेश से उसका पूर्ण राज्य का दर्जा छीन लिया गया है।

गुजरात में भीषण 'बाढ़' से बेकाबू हुए हालात

'जलप्रलय' के आसार, 6 जिलों में सेना की तैनाती

बाढ़ से 8 लोगों की मौत, 30 से ज्यादा ट्रेनें हुईं रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में भारी बारिश के कारण हाहाकार मचा हुआ है। कई जिलों में सड़क नदी में तब्दील हो चुकी हैं। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन के लिए पूरे गुजरात में बारिश का अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश को देखते हुए राज्य के सभी प्राथमिक स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए प्रशासन की टीमें तैनात की गई हैं। भारी बारिश के कारण गुजरात में अब तक 3 लोगों की मौत और 7 लोगों के लापता होने की खबर सामने आई है। गुजरात के वडोदरा, आणंद, खेड़ा और पंचमहल जिलों में सोमवार को बहुत भारी बारिश हुई। मंगलवार को भी कई राज्यों को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और तटरक्षक बल की मदद से अब तक 1,653 लोगों को बचाया गया है। इसके अलावा एहतियात के तौर पर अब तक 17,800 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। तेज बारिश और बाढ़ से 2 दिनों 8 लोगों की मौत हुई है। राजकोट, आणंद, मोरबी, खेड़ा, वडोदरा और द्वारका में सेना को तैनात किया गया है। अब तक 17 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। 1 नेशनल हाईवे, 34 स्टेट हाईवे, 636 अन्य सड़कें और 30 ट्रेनें भी रद्द कर दी गई हैं। मौसम विभाग ने कहा- मोरबी, पंचमहाल, खेड़ा, आणंद और वडोदरा स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। इन जिलों में बीते 24 घंटे में 12-12 इंच से भी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई है। राज्य में अगले 3 दिन तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

रेप-मर्डर केस में चौंकाने वाला खुलासा

दरिंदे ने यूज की थी कमिश्नर के नाम की रजिस्टर्ड बाइक

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर केस में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी के मुताबिक घटना की रात संजय रॉय ने जो बाइक इस्तेमाल की थी वह कोलकाता पुलिस कमिश्नर के नाम पर रजिस्टर्ड है। इसके बाद कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया है कि उस दिन संजय ने पुलिस का हेलमेट भी पहना था। अब सीबीआई यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर संजय को यह बाइक कैसे मिली। सीबीआई ने इसको लेकर ट्वीट किया है।

सीबीआई के मुताबिक यह बाइक साल 2024 के मई महीने में रजिस्टर कराई गई थी। बता दें कि ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर केस में संजय रॉय मुख्य आरोपी है। इस मामले में सीबीआई जांच में जुटी हुई है। गौरतलब है संजय रॉय ने सीबीआई के सामने पॉलीग्राफ टेस्ट में घटना की रात का पूरा वाकया बयां किया है। इसके मुताबिक उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर शराब पी थी। इसके बाद दोनों दो रेडलाइट एरियाज में गए थे। यहां पर उसके दोस्त ने सेक्स भी किया था। फिर दोनों दोस्त फिर वापस मेडिकल कॉलेज गए थे। जहां पर संजय ने डॉक्टर का रेप और मर्डर किया था। रेडलाइट एरिया में जाने और आने के दौरान नशे की हालत में संजय ने पुलिस के नाम रजिस्टर्ड बाइक ही चलाता रहा। यही वजह रही कि करीब 15 किमी की दूरी में भी उसे एक भी जगह पुलिस चेकिंग का सामना नहीं करना पड़ा। गौरतलब है कि अभी तक संजय रॉय के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में अंदरूनी पहुंच की बात सामने आई थी।

'हिंसक' हुआ छात्रों का नबन्ना मार्च

● बैरिकेडिंग तोड़ी, पथराव किया, पुलिस का लाठीचार्ज ● लाठीचार्ज के विरोध में बीजेपी ने बुलाया 'बंगाल बंद'

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के अस्पताल में महिला डॉक्टर से रेप और हत्या के विरोध 'नबन्ना अभियान' प्रदर्शन हिंसक हो गया। प्रशासन को पहले से ही आंदोलन में हिंसा का अंदेशा था इसलिए 6000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। वहीं पुलिस ने इसके पीछे राजनीतिक साजिश के आरोप भी लगाए थे। जानकारी के मुताबिक नबन्ना प्रोटेस्ट के दौरान छात्रों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। वहीं प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी भी की जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कनरे के लिए आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया गया है। इस प्रदर्शन का आह्वान पश्चिम बंगा छात्र समाज ने किया था। एहतियातन पहले ही हावड़ा ब्रिज को सील कर दिया गया था और मुख्यमंत्री आवास समेत कई नेताओं की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। वहीं प्रदर्शन को रोकने के लिए कई रास्तों को बंद किया गया था। जानकारी के मुताबिक रवींद्रभारती विश्वविद्यालय के छात्र प्रबीर दास और कल्याणी विश्वविद्यालय के शुभंकर की अगुआई में इस प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। ये प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का इस्तीफा मांग रहे हैं। कोलकाता में 8-9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के विरोध में मंगलवार को छात्र और मजदूर संगठन रैली निकाल रहे हैं।

शराब नीति घोटाला केस में के. कविता को जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति केस में आरोपी भारत राष्ट्र समिति लीडर के कविता को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस केस में जांच पूरी हो चुकी है। ट्रायल के जल्द पूरा होने की उम्मीद नहीं है। के कविता 5 महीने से जेल में बंद हैं। महिला हैं और कानून के सेक्शन 45 के तहत उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। इसी कोर्ट में कई आदेशों में कहा गया है कि अंडर ट्रायल कस्टडी को सजा में नहीं बदलना चाहिए। तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद से अरेस्ट किया था। इसके बाद सीबीआई ने उन्हें 11 अप्रैल को कस्टडी में लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और ईडी दोनों केस में के कविता को जमानत दी है।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर की बात

यूक्रेन दौरे की दी जानकारी पार्टनरशिप होगी और मजबूत

जंग खत्म करने को लेकर 2 महीने में दूसरी बार की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन दौरे के 4 दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से बात की है। मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, पुतिन से भारत-रूस की स्पेशल और स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने को लेकर बात की। उनसे रूस-यूक्रेन जंग को लेकर भी विचार साझा किए। 2 महीने में ऐसा दूसरी बार हुआ है जब पीएम मोदी की जंग रोकने को लेकर रूस के राष्ट्रपति पुतिन से बात की हो। इससे पहले मोदी 8 जुलाई को रूस दौरे पर गए थे। तब भी दोनों के बीच इसी मुद्दे पर चर्चा हुई थी। पीएम मोदी ने उन्हें कहा था-ये समय जंग का नहीं है। पीएम मोदी ने बताया कि उन्होंने हाल ही में किए यूक्रेन दौरे के बारे में भी पुतिन को जानकारी दी। उन्होंने जंग का शांतिपुर्ण समाधान करने को लेकर भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। कुछ ही घंटे पहले पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से बातचीत की थी। दोनों नेताओं ने यूक्रेन समेत तमाम वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की।

पटना में जन्माष्टमी पर भगदड़ के बाद लाठीचार्ज धक्का-मुक्की से महिलाएं-बच्चे गिरे

भीड़ का अनुमान नहीं लगा पाया प्रशासन, जन्माष्टमी पर लाखों श्रद्धालु पहुंचे थे

पटना, एजेंसी। जन्माष्टमी के मौके पर पटना के इस्कॉन मंदिर के बाहर सोमवार की शाम करीब साढ़े सात बजे अचानक भीड़ बढ़ने और गेट खुलने से धक्का-मुक्की बढ़ गई। उस वक्त गेट पर एक डीएसपी और दो-तीन सब इंस्पेक्टर मौजूद थे। भीड़ डीएसपी और अन्य पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करते हुए आगे बढ़ गई। इसी दौरान कुछ महिलाएं और बच्चे नीचे गिर गए। इसके बाद पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। इससे वहां भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। घटना में कुछ महिला और पुरुष मामूली रूप से चोटिल हुए हैं। मंदिर के पास श्रद्धालुओं ने भीड़ अधिक हो गई थी। गेट खुलते ही भीड़ किसी तरह अंदर घुसना चाह रही थी। उसी दौरान धक्का-मुक्की और भगदड़ हुई। मौके की स्थिति देखकर साफ लगता है कि प्रशासन भीड़ का आकलन नहीं कर पाए और इसी कारण यह घटना हुई। एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि भीड़ अधिक बढ़ने पर वहां मौजूद एक अधिकारी ने गेट बंद करवा दिया। अचानक गेट खुलने से भीड़ बेकाबू हो गई। इसी के बाद स्थिति बिगड़ी। पूरे मामले में जिला प्रशासन और पुलिस के बीच सामंजस्य का अभाव दिखा।

कुछ लोग लाइन तोड़कर जबरदस्ती घुस गए

इस्कॉन मंदिर के अध्यक्ष कृष्ण कृपा दास ने कहा कि लाठीचार्ज नहीं हुआ है। कुछ लोग लाइन तोड़कर जबरदस्ती घुस गए थे। इससे दूसरे लोगों को परेशानी हो रही थी। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए हल्का बल का प्रयोग किया है। अगर पुलिस ऐसा नहीं करती तो दूसरे लोगों को परेशानी होती। अभी मंदिर के अंदर और बाहर एक लाख श्रद्धालु मौजूद हैं। पटना के एसएसपी राजीव मिश्रा ने बताया कि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है और न ही कोई लाठीचार्ज हुआ है। कई लोग लाइन तोड़कर घुसने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें लाइन में लगाया गया है।

भगदड़ के दौरान श्रद्धालुओं से हुई छिनतई

भगदड़ के दौरान पटना के इस्कॉन मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं से बाइक, चेन और मोबाइल की छिनतई के 12 से अधिक मामले सामने आए हैं। घटना को लेकर कोतवाली थाने में पीड़ित श्रद्धालुओं ने शिकायत भी दर्ज कराई हैं।

मंदिर के अंदर लाइन थी, बाहर कोई व्यवस्था नहीं थी

इस्कॉन मंदिर के अध्यक्ष कृष्ण कृपा दास ने कहा कि मंदिर के अंदर लोगों को लाइन लगाकर जाने की व्यवस्था की गई थी। लेकिन, बाहर के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। इस बार के बाद से हमें सिख मिला है कि अगली बार से दो से चार किलोमीटर दूर तक जैसे पटना के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में रामनवमी के अवसर पर व्यवस्था की जाती है, उसी तरीके से जन्माष्टमी में भी व्यवस्था की जाएगी। बल प्रयोग अनहोनी को रोकने के लिए किया गया। भीड़ बेकाबू हो गया था। लोगों से लाइन में लगने के लिए बोला जा रहा था तो भी वह लोग लाइन में नहीं लग रहे थे।

परिस्थिति के अनुसार ही पुलिस ने उठाया होगा कदम

इस्कॉन मंदिर के प्रवक्ता नंद गोपाल दास ने कहा कि श्रद्धालु लाइन से आ जा रहे हैं। प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। पुलिस ने परिस्थिति के अनुसार ही कदम उठाया होगा। अभी तक इस्कॉन में 6 लाख लोग दर्शन करने आ चुके हैं।

मंदिर प्रबंधन का सुरक्षा को लेकर दावा

जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर प्रबंधन ने दावा किया था कि सुरक्षा को देखते हुए 14 पुलिस पोस्ट और 128 कैमरों से निगरानी की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

विभाजन विभीषिका स्मृति पर आधारित प्रदर्शनी का समापन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जिज्ञासा समाज कल्याण केंद्र द्वारा अप्पन पाठशाला, मुक्तिधाम मुजफ्फरपुर में भारत विभाजन विभीषिका स्मृति पर आधारित 12 दिवसीय प्रदर्शनी का समापन सोमवार को हुआ। समापन समारोह का उद्घाटन उप महापौर डॉ. मोनालिसा, चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्यामसुंदर भीमसेरिया, मुक्तिधाम के डॉ. रमेश केजरीवाल, पाठशाला के संस्थापक सुमित कुमार और पर्यावरणवीद सुरेश कुमार गुप्ता समेत अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम संयोजक सुमित कुमार ने कहा कि विभाजन के दौरान हुई हिंसा में लगभग पांच लाख लोग मारे गए। डेढ़ करोड़ लोगों का परिवार बेघर हो गया। आयोजकों ने कहा कि अगले साल से भव्य कार्यक्रम होगा और शहर के 15 स्कूल के छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। अतिथियों का स्वागत नरेंद्र कुमार, अभिराज कुमार, सुमन सौरभ ने किया।

बागेश्वरी मुक बधीर विद्यालय के बच्चो ने मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बागेश्वरी मूक बधिर आवासीय विद्यालय गौशाला रोड के बच्चों ने सोमवार को कृष्ण जन्मोत्सव मनाया। इनर व्हील क्लब ऑफ जागृति एवं वागेश्वरी दिव्यांग सह जनसेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जन्मोत्सव मनाया गया। उद्घाटन हेमा ठाकुर आईपीपी एवं विद्यालय के संजय कुमार ने केक काट कर किया। बच्चों ने राधा-कृष्ण के परिधान में नृत्य की प्रस्तुति कर सब का मन मोहा। मौके पर राजू कुमार, मालती देवी, नीतू कुमारी, अनुपमा श्रीवास्तव व अमन कुमार थे।

भागलपुर : गंगा के जलस्तर में आई एक सेमी की कमी

भागलपुर, एजेंसी। गंगा के जलस्तर में कमी आने लगी है। मंगलवार सुबह 6 बजे भागलपुर में एक सेमी की कमी दर्ज की गई। जबकि कहलगांव में स्थिर है। सुल्तानगंज में भी पानी नीचे उतरा है। यहां वाटर लेवल गेज डूब गया है। इसलिए सीढ़ी पर आये पानी से अनुमानित रिपोर्ट बनाई जा रही है। जल संसाधन विभाग के अभियंताओं ने बताया कि गंगा के जलस्तर में अगले एक हफ्ते तक कमी रहने की संभावना है।

कोलकाता के मेडिकल कॉलेज के प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की हत्या के विरोध में प्रदर्शन

गया, एजेंसी। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन शाखा गया की महिला विंग ने सोमवार की शाम कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रशिक्षु महिला चिकित्सक डॉ. मौमिता की वीभत्स हत्या व महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यूनियन के गया शाखा महिला विंग के अध्यक्ष नर्मदा शांडिल्य ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की अमानवीय एवं वीभत्स घटना संपूर्ण राष्ट्र व समाज को झकझोर देने वाली है। संपूर्ण देश में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हमारा समाज किस ओर जा रहा है। यह काफी सोचने विषय है। समाज एवं प्रत्येक व्यक्ति को आत्म चिंतन करने की आवश्यकता है। ऐसी वीभत्स घटना की ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन गया शाखा की महिला विंग घोर निंदा करती है। साथ ही आने वाले समय में स्वयं जागरुक, सचेत एवं आत्मरक्षा के लिए तैयार रहने का स्पष्ट संदेश देती है। इस अवसर पर ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन हाजीपुर के कोषाध्यक्ष मिथिलेश कुमार, गया शाखा के कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, उपाध्यक्ष बीके चौधरी, नीरज कुमार, वीरेंद्र कुमार महिला शाखा सचिव मुन्नी कुमारी किरण कुमारी, संगीता कुमारी आदि ने सभा को सम्बोधित कर घटना की घोर निंदा की।

कृष्ण जन्माष्टमी पर भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के नगर पंचायत स्थित पौआखाली के फुलवारी अंतर्गत स्थित मिलन मंदिर प्रांगण में कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भव्य भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें कटिहार से आए प्रसिद्ध भजन गायक कलाकारों के द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी गई है, जिसे सुनकर श्रोता झूमने पर मजबूर दिखें है। सोमवार देर शाम से शुभारंभ होकर यह कार्यक्रम देर रात तक आयोजित रही है। वहीं कटिहार से आई भजन गायिका आंचल चौधरी, आनंद जी, विष्णु बेदर्दी, रानी कुमारी की सुरीली और मधुर आवाज में दर्शक दीर्घा में बैठे भक्त श्रोताओं को मंत्र मुक्त कर दिया है। भक्तगण बाल गोपाल श्री कृष्ण के भजनों पर झूमते और नाचते दिखे है। इस जागरण को देखने और सुनने के लिए नगर क्षेत्र सहित दूर-दराज से काफी भक्तगण पहुंचे है। पूरा जागरण स्थल बाल गोपाल, जय श्री कृष्ण के नारों से गूंज रहा है।

जनमाष्टमी पर वैशाली एक्सप्रेस में मुन्नी खातून ने बच्चे को दिया जन्म

परिवार बोला - मेरे घर कन्हैया आए

समस्तीपुर, एजेंसी। जनमाष्टमी के मौके पर यानी सोमवार को एक महिला ने वैशाली एक्सप्रेस में अपने बच्चे को जन्म दिया दरअसल नई दिल्ली से सहरसा जा रही डाउन 12554 वैशाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस में मुन्नी खातून नाम की एक गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा होने लगी। बताया जा रहा है कि यह महिला ट्रेन के जनरल बोगी में सवार थीं। लेकिन ट्रेन के चलने के कुछ ही देर बाद उन्हें प्रसव पीड़ा हुई और उन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया। प्रसव के बाद जच्चा और बच्चा दोनों ही स्वस्थ हैं। बच्चे के जन्म से पूरा परिवार खुश है। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बच्चे के जन्म के बाद मुन्नी खातून के साथ सफर कर रहे उनके परिजनों ने कहा, 'मेरे घर कन्हैया आ गए।' महिला को ट्रेन में प्रसव पीड़ा होने के बाद समस्तीपुर रेल डिवीजन की मेडिकल टीम ने वैशाली एक्सप्रेस में महिला के सुरक्षित प्रसव का इंतजाम किया। इमरजेंसी अलर्ट पर ऐक्शन लेते हुए मेडिकल टीम ने तुरंत महिला को मदद पहुंचाई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुन्नी खातून के पति का नाम मोहम्मद मेराज है। मोहम्मद मेराज दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं। इस कपल को पहले से भी एक बेटा है। दिल्ली में चिकित्सकों ने मेराज से कहा था कि उनकी पत्नी को अभी बच्चा होने में चार-पांच दिनों का समय है। जिसके बाद यह परिवार सहरसा लौट रहा था। डाउन 12554 वैशाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस में अपने परिजनों संग सवार मुन्नी खातून को प्रसव पीड़ा मुजफ्फरपुर से ट्रेन के खुलने के बाद शुरू हुई। इसके बाद समस्तीपुर स्टेशन पर ट्रेन के रुकते ही मेडिकल टीम ने मोर्चा संभाला। पीड़ा से कराह रही मुन्नी खातून ने जब ट्रेन से उतरने से मना कर दिया तब चिकित्सकों ने ट्रेन की बोगी में ही महिला का सुरक्षित प्रसव करा दिया। ट्रेन में बच्चे की किलकारी गूंजते ही सभी के चेहरे पर मुस्कान छा गई। चिकित्सकों ने जांच के बाद महिला को कुछ दवाइयां दीं।

इस दौरान करीब 40 मिनट तक समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर भी ट्रेन खड़ी रही। दवा देने के बाद ट्रेन को सहरसा के लिए रवाना किया गया।

बिहार में 12,220 हेक्टेयर में होगी तेलहन की खेती

नालंदा, एजेंसी। इस वर्ष बिहार में तेलहन के बेहतर उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। इसको लेकर बीएयू (बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर) ने छात्रों द्वारा किए जा रहे शोध को राष्ट्रीय स्तर प्रदान करने के लिए भारतीय तिलहन शोध संस्थान, हैदराबाद के साथ एमओयू किया है। इस वर्ष से शोध, प्रसार, प्रशिक्षण व उद्यमिता विकास के लिए बीएयू भारतीय तिलहन शोध संस्थान के साथ मिल कर काम करेगा। इस वर्ष बिहार में 12,220 हेक्टेयर में तिलहन की खेती होगी। मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर में सबसे अधिक तेलहन की खेती होगी। मुजफ्फरपुर में 500, कैमूर में 450 हेक्टेयर में यह खेती होनी है। मूंगफली, सोयाबीन, तिल, सरसों, सूरजमुखी, अरंडी सहित नौ तरह के तेलहन की खेती होगी। यह लक्ष्य रबी और खरीफ के लिए रखा गया है।

बीएयू से बीज प्राप्त कर सकते हैं किसान

बीएयू के प्रसार शिक्षा निदेशक आरके सोहाने ने कहा कि बिहार में तेलहन के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए बीएयू के वैज्ञानिकों ने बिहार के सभी जिले का सर्वे किया है। किसानों को अधिक उपज के लिए बीएयू में कई प्रकार की उन्नत किस्म भी विकसित की गई है। उत्पादन बढ़ने से दूसरे राज्य पर बिहार को निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सभी केवीके के वैज्ञानिक हर क्षेत्र में जाकर किसानों को जानकारी दे रहे हैं। सीजन आने पर बीएयू के बीज केंद्र से किसान बीज प्राप्त कर सकते हैं।

स्वर्ण व्यवसायी से 2 लाख की लूट :दुकान से घर लौट के दौरान बच्चों के लिए बिस्किट लेने गए थे, हथियार दिखाकर छीना बैग

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी शहर सोमवार को रात एक स्वर्ण व्यवसायी से लूट का मामला सामने आया हैं। घटना नगर थाना क्षेत्र के रीगा रोड की है। जहां एक निजी विवाह भवन के पास देर शाम दुकान बंद कर घर जा रहे स्वर्ण व्यवसायी से दो लाख रुपए के आभूषण और नकद रुपए लूट लिये गए। लूट की घटना को अंजाम देने के बाद एक बाइक पर सवार दो बदमाश रीगा की ओर भाग निकले। घटना की सूचना पर डायल- 112 की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। घटना को लेकर पीड़ित स्वर्ण व्यवसायी, शहर के वार्ड- दो फूलमत नगर निवासी रामानंद साह के पुत्र संतोष कुमार ने नगर थाने में एफआईआर के लिए आवेदन दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक स्वर्ण व्यवसायी सोमवार की रात खैरवा स्थित ज्वेलरी दुकान को बंद कर घर जा रहे थे। इसी दौरान रीगा रोड में एक दुकान पर बच्चों के लिए बिस्किट खरीदकर जैसे ही आगे बढ़ा था कि बदमाशों ने घेर कर हथियार सटाकर उसके पास रखा बैग छीन लिया।

छात्रा की पिटाई का नाना ने लगाया आरोप:डीपीओ सहित तीन सदस्यीय टीम ने कस्तूरबा स्कूल में पहुंचकर की जांच

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा के सिंहवाड़ा प्रखंड के सिमरी पंचायत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में एक छात्रा की पिटाई का मामला सामने आया है। इस मामले के आरोपों की जांच शिक्षा विभाग के तीन सदस्यीय टीम ने सोमवार को विद्यालय पहुंचकर किया। माधोपुर के अभिभावक बैधनाथ मिश्र ने जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदन सौंपकर कहा था कि कस्तुरबा में अध्यनरत उनकी नतनी के साथ वार्डेन और शिक्षिका ने 16 अगस्त को अभद्र व्यवहार और मारपीट की थी। मामले को लेकर डीपीओ नवीन ठाकुर, कार्यक्रम पदाधिकारी क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक कृतिका वर्मा और केजीवीभी के जिला समन्वयक नीरज कुमार ने सोमवार को जांच पड़ताल की है। बच्ची और अभिभावक से आवेदन के आलोक में सभी बिंदुओं पर पूछताछ कर वीडियो रिकॉर्डिंग की। निदेशक कृतिका वर्मा ने बच्ची विद्यालय की शिक्षिका व छात्राओं के समक्ष अलग अलग घटनाक्रम की जानकारी ली। स्कूल की संचिकाओं का भी अवलोकन कर बच्चों के आगमन और प्रस्थान पंजी का अवलोकन कर साक्ष्य के रूप में छायाप्रति अधिकारी अपने साथ ले गए। बताया गया है कि छात्रा के अभिभावक ने डीपीओ और सिमरी थाना में इस आशय का आवेदन सौंपकर विद्यालय की वार्डेन गुड्डी रानी और शिक्षिका रीना कुमारी पर बच्ची को पीटने का आरोप लगाया था। तबीयत खराब रहने के बावजूद छात्रा को विद्यालय के खेल मैदान में बाल खींचकर पिटाई के साथ शौचालय साफ कराने और रोटी बनवाने का आरोप लगाया था। इधर, मामले की जांच करने के बाद मीडिया को डीपीओ नवीन ठाकुर ने बताया कि आवेदन में अभिभावक के आरोपों की सभी बिंदुओं की जांच 3 सदस्यीय टीम ने जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देश पर की है। स्कूल में पठन-पाठन कर रही छात्राओं ने पिटाई की घटना से इनकार किया है। विद्यालय की शिक्षिकाओं व रसोइया का बयान दर्ज किया गया है। विद्यालय में हाउस कीपिंग की व्यवस्था के बीच बच्चों का भोजन रसोइया के माध्यम से बनाया जाता है। वार्डेन गुड्डी रानी ने बताया कि विद्यालय में तीन शिक्षिका व एक सौ छात्राओं का नामांकन है। बीमार पड़ने पर छात्राओं का उपचार सीएचसी के डॉक्टर से कराया जाता है। जांच के दौरान एचएम अनिल पाठक, प्रभारी एचएम चंदेश्वर महतो व रात्रि प्रहरी अनोज कुमार आदि उपस्थित थे।

मंडल के रेलवे स्टेशनों पर एटीवीएम की सुविधा:कतार में लगे बिना आसानी से यात्रियों की मिल रहा टिकट

समय की भी हो रही बचत

बेगूसराय, एजेंसी। रेल मंत्रालय ने महत्वपूर्ण स्टेशन पर यात्रियों को जनरल टिकट के लिए काउंटर पर लंबी लाइन में लगने से राहत दे दिया है। स्टेशनों पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) से अब लोग बिना लाइन में लगे टिकट ले रहे हैं। जिन्हें यह झ्झ्रूसे खुद टिकट नहीं लेना आता है, उनके लिए फैसिलिटेटर भी नियुक्त किए गए हैं। जो उन्हें टिकट मुहैया करवा रहे हैं। पूर्व मध्य रेल के सीपीआरओ सरस्वती चन्द्र ने बताया कि यात्रियों को आसानी से टिकट उपलब्ध कराने के लिए स्टेशनों पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) लगाई जा रही है। एटीवीएम के माध्यम से रेल यात्री टिकट काउंटर पर बिना लाइन में लगे अनारक्षित टिकट खरीद कर यात्रा कर सकते हैं। प्रमुख स्टेशनों पर स्वचालित अनारक्षित टिकट वेंडिग मशीन टिकट काउंटर के आसपास स्थापित किए गए हैं।

हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषा की सुविधा :कई स्टेशनों पर यह एटीवीएम टिकट घर के अलावा स्टेशन के प्रवेश परिसर में भी स्थापित किए गए हैं। जिससे यात्रियों को टिकट लेने और ट्रेन पकड़ने के बीच कम समय लगेगा। एटीवीएम से प्लेटफॉर्म टिकट भी कटाया जा सकता है। यह एटीवीएम 24 घंटे कार्य करती है। इस सिस्टम में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषा चुनने की सुविधा है। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशनों पर एटीवीएम के माध्यम से टिकट खरीदने के लिए फैसिलिटेटर भी तैनात किए गए हैं। यात्री एटीवीएम से स्वयं टिकट बना सकते हैं या जरूरत पड़ने पर तैनात एटीवीएम फैसिलिटेटर के माध्यम से भी टिकट खरीद सकते हैं। यात्रियों की ओर से बुकिंग कार्यालय से जारी किए गए स्मार्ट कार्ड से या एटीवीएम पर दिखने वाले क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपीआई से किराए का भुगतान किया जा सकता है।

कौन से मंडल में कितनी मशीनें : सोनपुर मंडल के बेगूसराय, बरौनी, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, खगड़िया, सोनपुर, मानसी व नवगछिया रेलने स्टेशन पर 24 ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन उपलब्ध है। दानापुर मंडल के पटना, राजेन्द्र नगर, दानापुर, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, मोकामा, जहानाबाद, दिलदारनगर, पटना साहिब, झाझा, बिहार शरीफ एवं लखीसराय रेलवे स्टेशन पर भी 38 मशीन उपलब्ध है। समस्तीपुर मंडल के समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा, रक्सौल, बेतिया, बापूधाम मोतिहारी, मधुबनी, नरकटियागंज एवं सीतामढ़ी रेलवे स्टेशन पर 29 मशीन है। धनबाद मंडल के धनबाद, कोडरमा, डालटनगंज, नेसुब गोमो, गढ़वा रोड, पारसनाथ एवं सिंगरौली स्टेशन पर 18 मशीन उपलब्ध है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के गया, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, अनुग्रह नारायण रोड और भभुआ रोड स्टेशन पर 18 मशीन है।

प्रिंसिपल ने दो छात्रों के साथ किया अप्राकृतिक यौनाचार :पुलिस ने किया गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। पटना के मसौढ़ी में एक निजी स्कूल के प्रिंसिपल रंगेश सिंह ने दो छात्रों के साथ अप्राकृतिक यौनाचार किया है। घटना सोमवार की है। घटना के बाद परिजनों ने इसकी सूचना मसौढ़ी थाने को दी। पुलिस ने आरोपी प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि साफ-सफाई के बहाने प्रिंसिपल ने दो छात्रों को अपने घर बुलाकर उनके साथ अप्राकृतिक यौनाचार किया। मसौढ़ी डीएसपी नव वैभव ने बताया कि घटना के बाद मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पीड़ित छात्रों को मेडिकल के लिए भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपी प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है।

क्या है पूरा मामला

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि मसौढ़ी थाना क्षेत्र के सोनकुकरा भोजपुर स्थित ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले दो छात्रों को स्कूल के प्रिंसिपल रंगेश सिंह अपने घर पर साफ-सफाई के लिए बुलाया था। इसके बाद रंगेश सिंह ने दोनों छात्रों से अप्राकृतिक यौनाचार किया। घटना के बाद दोनों पीड़ित छात्र अपने घर पहुंचकर इसकी सूचना अपने परिजनों को दी। सूचना मिलते ही दोनों छात्रों के परिजन मसौढ़ी थाना पहुंचे और लिखित शिकायत मसौढ़ी थाने में की । शिकायत मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रिंसिपल रंगेश सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

अपर समाहर्ता ने की आंतरिक संसाधन एवं राजस्व से संबंधित मामलों की समीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में मंगलवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश के आलोक में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा के द्वारा आंतरिक संसाधन एवं राजस्व से संबंधी मामलों की समीक्षा बैठक की गई। आंतरिक संसाधन की समीक्षा के दौरान अपर समाहर्ता के द्वारा पदाधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संग्रहण में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। समीक्षा में पाया गया कि राज्य कर संयुक्त आयुक्त वाणिज्य कर मोतिहारी के द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित लक्ष्य 31618 लाख के विरुद्ध जुलाई माह तक 9958 लाख राजस्व संग्रह संग्रह किया गया है जो लक्ष्य का 31.50 प्रतिशत रहा है। राज्य कर संयुक्त आयुक्त वाणिज्य कर रक्सौल के द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित लक्ष्य 10635 लाख के विरुद्ध 3230 लाख की प्राप्ति की गई है जो लक्ष्य का 31.44 प्रतिशत रहा है। जिला परिवहन कार्यालय के द्वारा वित्तीय वर्ष के लिए 11100 लाख के विरुद्ध 3283 लाख की राजस्व प्राप्त की गई है जो निर्धारित लक्ष्य के 29.58 प्रतिशत रहा है। सहायक खनन पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि निर्धारित वार्षिक लक्ष्य 4266 लाख के विरुद्ध 734.69 लाख के राजस्व की प्राप्ति की गई है जो लक्ष्य का 17.22 प्रतिशत रहा है। अवर निबंधक मोतिहारी ने बताया कि जिला के सभी आठ निबंधन कार्यालयों के लिए 425.39 लाख की वार्षिक लक्ष्य के विरुद्ध अभी तक 131.85 लाख का राजस्व प्राप्त किया गया है जो लक्ष्य का 31 प्रतिशत रहा है। बैठक में उपस्थित नगर निगम के पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि निर्धारित वार्षिक लक्ष्य 995.64 लाख के विरुद्ध 312.95 लाख की राजस्व की प्राप्ति की गई है जो निर्धारित लक्ष्य का 31.43 प्रतिशत रहा है। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल मोतिहारी के द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष में जुलाई माह तक के लिए निर्धारित 9361 लाख के विरुद्ध 7931 लाख का राजस्व प्राप्त किया गया है जो निर्धारित लक्ष्य का 84.72% है। इसी प्रकार विद्युत आपूर्ति प्रमंडल रक्सौल के द्वारा 87% एवं विद्युत आपूर्ति प्रमंडल चकिया के द्वारा 72.52% का लक्ष्य प्राप्त किया गया है। अन्य विभागों के राजस्व प्राप्ति की समीक्षा करते हुए अपर समाहर्ता ने पदाधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संग्रहण के लिए लगातार प्रयास करने का निर्देश दिया गया। राजस्व एवं भूमि सुधार से संबंधित मामलों में दाखिल-खारिज के लंबित वादों, परिमार्जन, एलपीसी, लोक भूमि अतिक्रमण, आधार सीडिंग, अभियान बसेरा-2, जमाबंदी अपडेशन, भू-मापी एवं न्यायालय से संबंधित वादों की समीक्षा की गई और त्वरित निष्पादन का निदेश संबंधी अंचलाधिकारी को दिया गया। अपर समाहर्ता के द्वारा विकासात्मक कार्यों के दृष्टिगत पंचायत सरकार भवन के मामले में भूमि चिन्हित कर सीमांकन के साथ प्रतिवेदन उपलब्ध कराने तथा विभाग से प्राप्त अधियाचना के आलोक में भवन संरचना के निर्माण हेतु भूमि हस्तानांतरण के लिए प्रस्ताव उचित माध्यम से शीघ्र भेजने का निदेश दिया गया। जन कल्याण भावना के दृष्टिकोण से अभियान बसेरा-2 के तहत चिन्हित भूमिहीनों को वास भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव अनुमोदनोपरांत भूमि उपलब्ध कराने का निदेश अंचलाधिकारी को दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता के साथ राजस्व शाखा को प्रभारी पदाधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मेडिकल जांच के लिए पहुंचे दो कैदी पुलिस को चकमा देकर फरार

बीएनएम। मोतिहारी

मेडिकल जांच के लिए ढाका अनुमंडलीय अस्पताल में भेजे गए दो अभियुक्त पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। इसमें पुलिस ने एक को खदेड़ कर पकड़ लिया, लेकिन अभी भी एक पुलिस के पकड़ से बाहर है,जिसके लिए चिरैया थाना पुलिस छापेमारी कर रही है। दरअसल मंगलवार को चिरैया थाना से मेडिकल जांच के लिए ढाका अनुमंडलीय अस्पताल में चार कैदी लाए गए थे। इसमें मध निषेध के दो कैदी को लेकर दो पुलिसकर्मी गेट के सामने कुर्सी पर बैठ गए। वहीं, अन्य दो कैदियों को लेकर पुलिसकर्मी रजिस्ट्रेशन काउंटर पर पर्ची कटाने के लिए गए हुए थे। इस बीच शराब तस्करी मामले में गिरफ्तार दो कैदी पुलिस को चकमा देकर हथकड़ी सरका कर अस्पताल की चारदीवारी कूदकर फरार हो गये। पुलिस ने भागने के क्रम में मनोज नामक एक कैदी को पकड़ लिया। जबकि श्याम सुन्दर नामक कैदी अनुमंडलीय अस्पताल के पूर्वी छोर से भागते हुए प्रखंड अंचल कार्यालय होते हुए पीछे के रास्ते से भागने में सफल रहा।लगा।दोनो कैदी चिरैया थाना क्षेत्र के गोखुला निवासी मनोज कुमार व दीपही गांव निवासी कन्हाई राय का पुत्र श्याम सुन्दर कुमार है। उल्लेखनीय है,कि 26 अगस्त को सिकरहना डीएसपी के नेतृत्व में चिरैया थाना पुलिस ने मिश्रौलिया और सेनुवरिया गांव से 519 बोतल नेपाली शराब, तीन बाइक के साथ दो कारोबारी तस्कर को गिरफ्तार किया था।छापेमारी के दौरान एक कारोबारी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। इस संबंध में पूछने पर सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार ने बताया कि एक कैदी को पुलिस बल के द्वारा खदेड़कर गिरफ्तार किया गया है। वहीं दूसरे कैदी की तलाश में पुलिस टीम छापेमारी कर रही है।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म मामले में एक को बीस साल की सजा

बीएनएम। मोतिहारी

पॉक्सो एक्ट कोर्ट नंबर 1 के विशेष न्यायाधीश राजाराम संतोष कुमार ने सामुहिक दुष्कर्म मामले में नामजद दो अभियुक्तों में एक को दोष सिद्ध होने पर 20 वर्षों का सश्रम कारावास एवं आठ हजार रुपये अर्थ दंड की सजा सुनाए है। सजा गोविन्दगंज थाना के राजेपुर निवासी सारिक अंसारी को हुई। दूसरे अभियुक्त मुकुल दूबे उर्फ सुधीर दूबे भी 7 अगस्त को ही दोषी करार दिए गए,परंतु वह न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ। मंगलवार को सजा सुनाए जाने के समय अनुपस्थित रहने के कारण उसके वाद को पृथक कर न्यायालय ने अग्रतर कार्रवाई की। मामले में पीड़िता के पिता ने गोविन्दगंज थाना काण्ड संख्या 228/2022 दर्ज कराते हुए सारिक अंसारी एवं मुकुल दूबे उर्फ सुधीर दुबे सहित अन्य को नामजद किया था। जिसमें कहा था कि 11 जुन 2022 को उसकी नाबालिग पुत्री को ग्रामीण अनिता कुमारी बहला फुसलाकर नामजद लोगों के चुंगल में सौंप दी तथा उस हैवानों ने उसकी पुत्री के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पॉक्सो वाद संख्या 58/2022 विचारण के दौरान विशेष लोक अभियोजक मणी कुमार ने आठ गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। दोनों पक्षों का दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने सारिक अंसारी को उक्त सजा दी है। न्यायाधीश ने पीड़िता को पीड़ित घोषित करते हुए प्रतिकर अधिनियम के तहत मुआवजा देने की कारवाई करने का निर्देश जिला विधिक सेवा प्राधिकार को दिया है।

जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की समीक्षा की गई समीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को उनके कार्यालय कक्ष में जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की समीक्षा की गई। उक्त समीक्षा के दौरान मिशन वात्सल्य अंतर्गत स्पॉन्सरशिप योजना के तहत 122 नए लाभार्थियों को स्वीकृति दी गई। जिला प्रशासन और जिला बाल संरक्षण ईकाई के संयुक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप अब तक कुल 490 बच्चों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है जो प्राप्त लक्ष्य से 60 अधिक है। इसके तहत पूर्व से 368 बच्चों को लाभावित किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत 3 वर्ष तक या 18 वर्ष पूर्ण होने तक(जो पहले हो) प्रत्येक लाभार्थी को 4000 रुपया मासिक 3 वर्ष तक देय है। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया की मिशन वात्सल्य योजना का उद्देश्य बच्चों को उनकी सामाजिक एवम सांस्कृतिक परिवेश में रहने और बढ़ने का अवसर प्रदान करता है, ताकि उनका विस्थापन रोका जा सके तथा सभी को समान अवसर प्रदान हो सके। स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान की जायेगी। राज्य सरकार एवम जिला प्रशासन इस स्पॉन्सरशिप कार्यक्रम के तहत इच्छुक बच्चों की संख्या अधिकतम करने के लिए जोर शोर से प्रयास कर रही है ताकि बच्चे परिवार और समुदाय के साथ सुरक्षित और सशक्त महसूस कर सके। इस अवसर पर सहायक निदेशक बाल संरक्षण इकाई,बाल संरक्षण पदाधिकारी, विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान समन्वयक,बाल कल्याण समिति के सदस्य इत्यादि मौजूद थे।

घोड़ासहन में छात्र की हत्या,बोरे में बंद मिला युवक का शव

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में घोड़ासहन थाना क्षेत्र में निमोईया गांव के स्कूल के समीप से मंगलवार की सुबह बोरा में बंद इंटर के एक छात्र का शव बरामद हुआ है। जिसके बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा है। बताया गया है,कि मृतक छात्र गांव में ही मेला देखने के लिए गया था। जहां से वापस आने के बाद घर में सो रहा था। इसी बीच किसी ने फोन कर बुलाया और चाकू से गोदकर निर्ममता पूर्वक उसकी हत्या कर दी और शव को बोरे में बंद कर निमोईया स्कूल के पास फेक दिया।छात्र के शरीर पर चाकू से वार के कई निशान मिले हैं।मृतक की पहचान निमोइया गांव के वार्ड पंच रामजी साह के 18 वर्षीय पुत्र विकास कुमार उर्फ विक्की के रूप में हुई है।शव मिलने के बाद उसके परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि विकास एसबीआई का क्रेडिट कार्ड बनाने का काम करता था। पहले मोतिहारी रहकर पढ़ाई करता था और दो महीना पहले ही वह घर आया था। सिकरहना एसडीपीओ अशोक कुमार ने बताया कि घोड़ासहन के निमोईया गांव में एक बोरे में विकास कुमार नामक युवक का शव मिला है। इस मामले में कॉल डिटेल निकालकर अग्रेतर कारवाई की जा रही है।जल्द ही हत्यारे को पकड़ लिया जायेगा केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

ट्रक व बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में बाइक सवार दो किशोर की मौत

- एक चिंतनीय हालत में रेफर
- गुस्साए लोगों ने ट्रक को आग के हवाले किया
- केसरिया-चकिया पथ के बैशखवा की घटना

बीएनएम। केसरिया

ट्रक व बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में मंगलवार को बाइक सवार दो किशोर की मौत हो गई है। वहीं एक अन्य युवक बुरी तरह घायल हो गया। जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार कर चिंतनीय हालत में रेफर कर दिया गया। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने ट्रक को आग के हवाले कर दिया। जिसके कारण थोड़ी देर के लिए आवागमन बाधित हो गया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं अग्मिशमन की टीम ने आग पर काबू पाया। घटना केसरिया-चकिया पथ के बैशखवा स्थित शिव मंदिर के समीप की है। मृतक की पहचान केसरिया थाना क्षेत्र के राजपुर वार्ड संख्या 11 निवासी उमेश महतो के 16 वर्षीय पुत्र रंजीत कुमार व प्रभु महतो के 15 वर्षीय पुत्र राजन कुमार उर्फ मिथुन कुमार के रूप में की गई है। वहीं घायल उसी गाँव के वीरेंद्र महतो का पुत्र अजय कुमार (13) बताया जाता है। जानकारी के अनुसार रंजीत, राजन व अजय तीनों एक हीं बाइक पर सवार होकर अपने घर से केसरिया जा रहे थे। इसी बीच केसरिया से चकिया की तरफ जा रही बालू लदी ट्रक से घटनास्थल पर सामने से टकरा गए। घटना के बाद रंजीत व राजन की घटनास्थल पर हीं मौत हो गई। जबकि अजय बुरी तरह घायल हो गया। जिसे चिंतनीय हालत में अस्पताल भेजा गया। चालक ट्रक छोड़ फरार हो गया। रंजीत का शव ट्रक के चक्का के नीचे दब गया। जिसे क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। राजन सातवां वर्ग का छात्र था। जबकि रंजीत बाहर रहकर मजदूरी करता था। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

धू-धू कर जलता ट्रक

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध अवस्था मे युवक की मौत, ग्रामीणों ने शव को जलाया

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के पैठान पट्टी गांव में संदिग्ध अवस्था मे एक युवक की मौत मंगलवार के दिन करीब एक बजे हो गया। मृत युवक लालबहादुर महतो का पुत्र छ ठु कुमार25 वर्ष है परिजन घटना के बाद घर छोड़कर फरार हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि उसके पट्टीदार उसके हिस्से का जमीन नहीं दे रहे थे जिससे आजिज होकर उसने फंदे से लौटकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली है। इधर ग्रामीणों के द्वारा शव जलाने की बात बताई जा रही है। वहीं थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया सूचना देर से प्राप्त हुई। मामले में आवेदन मिलने पर सख्त करवाई की जाएगी।

मुजफ्फरपुर में नया एसएसपी कार्यालय तैयार, जल्द होगा शिफ्टिंग का काम

बीएनएम। मुजफ्फरपुरः शहर में प्रशासनिक कार्यों को और भी सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मोतीझील फ्लाईओवर के बगल में नव निर्मित एसएसपी कार्यालय तैयार हो गया है। शहर के बीचों-बीच स्थित इस नए कार्यालय के निर्माण के बाद अब पुराने एसएसपी कार्यालय को यहां शिफ्ट करने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। नए एसएसपी कार्यालय का निर्माण शहर के महत्वपूर्ण इलाके में किया गया है, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार की उम्मीद की जा रही है। पुराने कार्यालय की तुलना में यह स्थान अधिक सुविधाजनक और आधुनिक है, जो प्रशासनिक कार्यों को और भी सरल और प्रभावी बनाने में मदद करेगा। शहर के पुलिस प्रशासन का मानना है कि नए कार्यालय में स्थानांतरित होने के बाद, न केवल पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि आम जनता की शिकायतों और समस्याओं का समाधान भी तेजी से किया जा सकेगा। शहर के मध्य में स्थित होने के कारण, पुलिस की पहुंच सभी इलाकों तक आसानी से हो सकेगी, जिससे अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने में भी सहूलियत होगी । मोतीझील जैसे भीड़-भाड़ वाले इलाके के नजदीक कार्यालय होने के कारण यहां की ट्रैफिक व्यवस्था भी सुदृढ़ देखने को मिलेगी । कयास लगाया जा रहा है कि मोतीझील के इलाके को जाम से निजात मिल सकेगी । शहरवासियों ने भी नए एसएसपी कार्यालय के निर्माण को एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा है और उम्मीद जताई है कि इससे पुलिस और जनता के बीच संवाद और सहयोग में और भी मजबूती आएगी। कुल मिलाकर, नए एसएसपी कार्यालय का निर्माण शहर के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

आरडीएस कॉलेज में 29 और 30 अगस्त को कबड्डी और बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम। मुजफ्फरपुर : जिले के आरडीएस कॉलेज में 29 और 30 अगस्त को कबड्डी और बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता खेल प्रांगण में आयोजित होगी और इसमें छात्र और छात्राओं दोनों के लिए अलग-अलग वर्गों में मुकाबले होंगे। खेल संयोजक डॉ आनंद प्रकाश दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक छात्र-छात्राएं खेल परिषद के कार्यालय में जाकर छात्र प्रतिनिधि केशव कुमार, सक्षम कुमार, आकाश कुमार और पंकज कुमार के पास अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। डॉ. दुबे ने यह भी कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को खेलों के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खेल छात्रों को चुनौतियों का सामना करने में दृढ़ता, समय प्रबंधन और लचीलेपन का महत्व सिखाते हैं। साथ ही, कॉलेज परिसर में भविष्य में भी कई अन्य खेल आयोजनों की योजना बनाई जा रही है। कॉलेज की प्राचार्य, डॉ. अनिता सिंह ने खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि खेल छात्रों के जीवन का अहम हिस्सा हैं। खेलों से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास भी होता है। खेलों को दिनचर्या में शामिल करने से अनुशासन, टीम वर्क और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में कॉलेज द्वारा विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया जाएगा, ताकि छात्रों को अधिक से अधिक अवसर मिल सके।

सायन कुणाल ने जयराम दास ठाकुर मंदिर में भक्ति कार्यक्रम का किया उद्घाटन

पूरे राज्य में राजकीय पर्व के रूप में जन्माष्टमी मनाने का किया जाएगा प्रयास -सयान कुणाल

बीएनएम। सुगौली

जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर देर संध्या ऐतिहासिक भूमि सुगौली स्थित बाबा जयराम दास मंदिर में सायन कुणाल ने फीता काट कर भक्ति सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सयान कुणाल पूर्व आईपीएस अधिकारी व महावीर मंदिर पटना के संचालक किशोर कुणाल के पुत्र तथा देश की सबसे कम आयु की समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी के पति हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल पर श्री सायन का समाजसेवियों तथा कृष्ण भक्तों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित श्रद्धालुओं और भक्तों को संबोधित करते हुए श्री सायन ने कहा कि नेपाल और भारत की ऐतिहासिक संधि भूमि सुगौली में आकर मुझे बेहद गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने श्री कृष्ण के जीवन चरित्र पर वृहद प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि अगले वर्ष से पूरे बिहार में जन्माष्टमी राजकीय पर्व के रूप में मनाया जाए। वहीं मंदिर के महंत मनीष दास ने कहा कि श्री कृष्ण के जीवन का अनुसरण करके सफल व सुखी जीवन व्यतीत किया जा सकता है। मौके पर मौजूद महंत मनीष दास, प्रशांत सर्राफ, अंकुर चौधरी, प्रियांशु सर्राफ तथा प्रिंस चौबे ने अतिथि सयान कुणाल को बुके तथा अंगवस्त्र समर्पित किया तथा धन्यवाद ज्ञापित किया।

दो बाइकों के टक्कर में दोनों बाइक सवार बुरी तरह से घायल

यातायात सुरक्षा नियमों की उड़ रही है धज्जियां, पुलिस प्रशासन मौन

बीएनएम। सुगौली

स्थानीय थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाले मोतीहारी -रक्सौल राष्ट्रीय राजमार्ग पर छपवा और सुगौली टोल गेट के बीच दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दोनों बाइक सवार बुरी तरह से घायल हो गये हैं। दोनों घायलों में एक स्थानीय थाना क्षेत्र के करमवा रघुनाथ निवासी अशोक सहनी का पुत्र संदीप कुमार सहनी तथा दूसरा गाद गम्हरिया निवासी नैयमूल मियां का पुत्र मोहम्मद इमरान बताया जाता है। घटना की सूचना पर पुलिस बल के साथ पहुंचे अवर निरीक्षक राजकिशोर सिंह ने घटनास्थल से दोनों घायलों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों घायलों को मोतीहारी रेफर कर दिया है। पुलिस दोनों बाइक को जब्त कर थाना ले गयी है। गौरतलब है कि बीते चार दिनों के भीतर इस राष्ट्रीय राजमार्ग के छपवा और लालपरसा चौक के लगभग तीन किलोमीटर के दायरे में यह तीसरी सड़क दुघर्टना है जिसमे शनिवार को दो लोगों की दर्दनाक मौत तो एक महिला सहित पांच लोग बुरी तरह घायल हो चुके हैं।सड़क पर पैदल व वाहन यात्रियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर खुलेआम यातायात सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। राजमार्ग दो लेन का होने के बावजूद रफ़्तार के कहर से आये दिन जानलेवा दुर्घटनायें आम बात हो गई है।जिसका शिकार गलत तरीके वाहन चलाने वाले तो हो ही रहे हैं साथ साथ निर्दोष लोगों की भी जानें जा रहीं हैं। लोगों का कहना है कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन के यातायात सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश हवा हवाई साबित हो रहा है।

काली बारी रोड स्थित बालाजी हनुमान मंदिर के प्रांगण में भंडारा आयोजित

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

मंगलवार को काली बारी रोड स्थित बालाजी हनुमान मंदिर के प्रांगण में बालाजी परिवार द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी के उपरांत एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य उपेंद्र मिश्रा द्वारा की गई, जिन्होंने सर्वप्रथम उपस्थित सभी देवी-देवताओं का स्नान, ध्यान, वस्त्र अर्पण और पुष्पों से श्रृंगार किया। इसके बाद, हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ सात बार किया गया। इसके उपरांत भव्य महाआरती संपन्न हुई, जिसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन मंत्री और मीडिया प्रभारी अभिषेक आर्या ने बताया कि बालाजी परिवार समय-समय पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है और आगे भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होते रहेंगे। कार्यक्रम में बालाजी परिवार के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार अमर, अधिवक्ता संजीव कुमार श्रीवास्तव उर्फ भोला जी, उपाध्यक्ष कौशल किशोर, मनोज सिंह, महासचिव अशोक अंदाज, सचिव संकेत सराफ, प्रकाश श्रीवास्तव, संरक्षक बैजनाथ प्रसाद साहू, सुनील कुमार ठाकुर, रामबाबू सिंह, आचार्य संजय शर्मा, अशोक तिवारी, विमल कुमार, अभिषेक पांडे और शंकर बाबा नंदू जी सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे। महिला भक्ति समूह ने कन्हैया के भजन रूपी लोरी गाकर सभी उपस्थित भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

फिराक गोरखपुरी में बसी थी भारत की सांझी संस्कृति

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे। एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए। परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दर्शाता है।

ललित गर्ग

'शायर-ए-जमाल'-सौन्दर्य का कवि कहलाने वाले फिराक गोरखपुरी उर्दू शायरी का देश एवं दुनिया का एक फनकार हैं जिसका रचना-संसार जीते-जी ही नहीं, मरकर भी गूंज रहा है। गोरखपुर को जिन वजहों से दुनिया भर में पहचान मिली, फिराक गोरखपुरी को हमें उनमें आगे की पंक्ति में रखना ही होगा। नाम के आगे गोरखपुरी लगाकर उन्होंने उर्दू अदब की दुनिया में गोरखपुर को जो ऊंचाई दी, गोरखपुर ही नहीं बल्कि समूचे पूर्वांचल के लोग इसके लिए गौरव का अनुभव करते हैं। शायरी कहने के अपने अलमस्त और बेलौस अंदाज को लेकर वह शायरों में ही नहीं, आमजन के बीच भी हमेशा चर्चा का विषय रहे। रघुपति सहाय से फिराक गोरखपुरी बने, वे भारत के एक प्रसिद्ध उर्दू शायर, कवि, लेखक और आलोचक थे। उनकी साहित्यिक प्रतिभा कविता, गजल और निबंध सहित विभिन्न शैलियों में फैली हुई है। प्रगतिशील लेखक आंदोलन के एक प्रमुख व्यक्तित्व, गोरखपुरी की रचनाओं में मानवीय भावनाओं और सामाजिक मुद्दों की गहरी समझ झलकती है। उनकी काव्यात्मक अभिव्यक्ति ने शास्त्रीय लालित्य को आधुनिक संवेदनाओं के साथ जोड़ा, जिन्होंने शायरी को लोक बोलियों से जोड़कर उसमें नई लोच, नई रंगत, नई ऊर्जा उत्पन्न की। उन्हें फारसी, हिन्दी, ब्रजभाषा और भारतीय संस्कृति की गहरी समझ थी, इन्हीं कारणों से उनकी शायरी में भारत की विविधताओं युक्त सांझी रची-बसी हुई है। वे जन-कवि और सौन्दर्य के परम उपासक के रूप में असंख्य लोगों के दिल और दिमाग में रचे-बसे हैं। फिराक गोरखपुरी का जन्म 28 अगस्त 1896 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में हुआ। वे एक अमीर परिवार से संबंधित थे। उनके पिता का नाम मुंशी गोरख प्रसाद था, वे पेशे से वकील थे, किन्तु शायरी में उनका बहुत नाम था। इसी कारण फिराक को शायरी की प्रेरणा पिता से भी मिली। बचपन के चमकते-दमकते वैभव के बावजूद उनकी नजरें हमेशा जमीन की ओर देखती रही। उनकी जिन्दगी और रचनाओं का सफर न केवल रोचक रहा, बल्कि प्रेरणा का स्रोत भी रहा। उर्दू कविता के प्रति उनके मन मे छोटी आयु में ही रुझान था। बाल्यावस्था में ही उन्होंने उर्दू में कविताएं लिखना आरंभ कर दी। वे साहिर, इकबाल, फैज, तथा कैफी आजमी से अत्यधिक प्रभावित हुए। रामकृष्ण परमहंस की कहानियों से आरंभ करने के बाद उन्होंने अरबी, फारसी और अंग्रेजी में शिक्षा ग्रहण की। पढ़ाई में वे बड़े ही योग्य एवं होनहार विद्यार्थी थे। सन् 1917 में डिप्टी कलेक्टर के पद के लिए चुने गए परंतु महात्मा गांधी के स्वराज्य आंदोलन में भाग लेने के लिए उन्होंने 1918 में पद से त्यागपत्र दे दिया। 1920 में स्वाधीनता आंदोलन में भाग लेने के कारण उनको डेढ़ वर्ष की जेल की यात्रा सहन करनी पड़ी। वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के प्राध्यापक भी रहे। उनका कहना था कि उर्दू केवल मुसलमानों की भाषा नहीं है बल्कि आम भारतवासियों की भाषा है। पंडित जवाहरलाल नेहरू उनकी इस सोच से अत्यधिक प्रभावित हुए, उन्होंने फिराक को राज्यसभा का सदस्य मनोनीत किया। नेहरू ने फिराक को जेल से छूटने के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस के कार्यालय में अन्डर सेक्रेटरी बना दिया। लगभग 50 वर्षों तक वे सांप्रदायिक सद्भाव एवं सौहार्द के लिए काम करते रहे। फिराक की कविता में कुछ स्थानों पर रूमानियत देखी जा सकती है उन्होंने वियोग, श्रृंगार के सुंदर चित्र अंकित किए हैं। अपनी हाजिर जवाबी की वजह से फिराक काफी मशहूर थे। उनका बातचीत का लहजा इतना चुटीला होता था कि एक बार कोई उनके पास बैठ जाए तो उठता नहीं था। वह जो भी बोलते थे, बेधड़क बोलते थे और अंदाज ऐसा कि महफिल ठहाकों में भर उठती थी। वे जिन्दादिल इंसान थे तो चित्रता में मित्रता

के प्रतीक थे। समस्याओं के आर-पार जाने की क्षमता, वास्तविकताओं पर पड़े आवरणों को तोड़ देने की ताकत, मनुष्य की चिन्ता, सौन्दर्य की अभिव्यक्ति उनकी शायरी एवं सृजन में भी दिखाई पड़ती है। इतिहास और वर्तमान-दोनों जगह वह उत्पीड़न के खिलाफ थे और उसकी अभिव्यक्ति में पूरी तरह भयमुक्त थे। उनके जीवन के सारे सिद्धांत मानवीयता की गहराई से जुड़े थे और उस पर वह अटल भी रहते थे किन्तु किसी भी प्रकार की रूढ़ि या पूर्वाग्रह उन्हें छू तक नहीं पाती। वह हर प्रकार से मुक्त स्वभाव के थे और यह मुक्त स्वरूप भीतर की मुक्ति का प्रकट रूप है। यह उनके व्यक्तित्व की बड़ी उपलब्धि है। स्वभाव में एक औलियापन है, फक्कड़पन है और अलमस्त अंदाज है। किसी को उनका व्यक्तित्व भाया तो किसी को वह बिल्कुल पसंद नहीं आए लेकिन उनके शेरों की कद्र हर किसी ने पूरी तबीयत से की। उनका लोहा तब भी जग ने माना और आज भी मान रहा है। वे सदियों तक इसी तरह अपनी शायरी के कारण जीवंत बने रहेंगे। उनकी जिंदगी का ज्यादातर हिस्सा इलहाबाद बीता। और यहीं से वे शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचे। इलाहाबाद में फिराक, महादेवी वर्मा और निराला को मिलाकर उस दौर के साहित्य की दुनिया की त्रिवेणी बनती थी। उनकी अनौपचारिक संगोष्ठियों में अंग्रेजी के विद्वानों के साथ-साथ तुलसी, कालिदास और मीर के पाठ भी समानांतर चलते थे। गहरी-गहरी और गोल-गोल डस लेने वाली आंखों में उनके व्यक्तित्व का फक्कड़पन खूब जाहिर होता था। फिराक के पिता भी अच्छे शायर थे, इसलिए उनके आवास लक्ष्मी निवास पर साहित्यकारों की खूब महफिल सजती थी। महफिल सजाने वालों में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्द भी शामिल थे। कई बार प्रेमचंद वहां रुक भी जाते थे, जब फिराक की पत्नी को उनके लिए परहेजी खाना बनाना पड़ता था। इस दौरान फिराक का प्रेमचंद से एक खास रिश्ता बन गया था। फिराक की बेटी प्रेमा देवी ने अपने एक संस्मरण में लिखा है कि लक्ष्मी निवास पर पंडित नेहरू भी कई बार आए थे क्योंकि नेहरू के वे काफी नजदीक थे। फिराक भरी-पूरी संभावनाओं का नाम रहा है, जहां साहित्य की अनेक सरिताएं प्रवहमान रही हैं। फिराक तबीयत से भले ही हर किसी को बागी नजर आए लेकिन उनकी शायरी सहज थी। उनके शेरों में संवेदनाएं, नेकदिली और जिंदादिली का अहसास कोई भी कर सकता है। उर्दू गजल के पारंपरिक अंदाज में बिना किसी छेड़छाड़ के नए लहजे की शायरी की जो अद्भुत मिसाल उन्होंने पेश की, उससे शायरी के कद्रदानों के अलावा मशहूर शायर भी उनके कायल हो गए। निदा फाजली जैसे शायर ने तो शायरी की दुनिया में गालिब और मीर के बाद फिराक को तीसरे पायदान पर रखा है। सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और महादेवी वर्मा जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में उन्होंने अपनी शायरी को ऊंचाई दी। पद्मश्री अली सरदार जाफरी ने फिराक को उर्दू शायरी की नई आवाज करार दिया। जोश मलीहाबादी ने कहा कि फिराक उर्दू के उस्ताद शायरों में एक बड़े नामवर गोशे के मालिक हैं। साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विश्वनाथ तिवारी ने फक्कड़, मूडी, गुस्सैल आदि अनेक परिचय के धनी फिराक को शायरी के दुनिया का बेताज बादशाह कहा है। यही कारण है कि मिर्जा गालिब और अमीर खुसरो की तरह ही फिराक गोरखपुरी के जीवन पर भी कई फिल्में बन चुकी हैं। एक फिर फिल्म गवर्नमेंट आफ इंडिया के फिल्म डिविजन ने भी बनाई है। फिराक के जीवन पर कई किताबें भी लिखी गईं हैं। उनकी स्वयं की अनेक पुस्तक हैं, जिनमें प्रमुख हैं- गुल-ए-नगमा, बज्म-ए-जिंदगी, रंगे शायरी, मशअल, रूह-ए-कायनात, नग्मा-ए-साज, गजलिस्तान, शेरिस्तान, शबनमिस्तान, रूप, धरती की करवट, गुलबाग, रम्ज व कायनात, चिरागा, शोअला व साज, हजार दास्तान, हिंडोला, जुगनू, नकूश, आधी रात, परछाइया और ताराना-ए-इश्क, सत्यम शिवम सुंदरम। इसके अलावा फिराक ने एक उपन्यास 'साधु और कुटिया' तथा कई कहानियां भी लिखीं हैं। वे अनेक पुरस्कारों से सम्मानित हुए हैं- 1960 में साहित्य अकादमी अवार्ड, 1968 में साहित्य व शिक्षा के क्षेत्र में पद्मभूषण सम्मान, 1969 में गुल-ए-नगमा के लिए ज्ञानपीठ अवार्ड एवं 1969 में सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार। वे ऐसे लेखक एवं शायर हैं, जिनके जीवन की चादर पर सकारात्मकता, संवेदना एवं प्रेम के रंग बिखरे हुए है। फिराक दार्शनिक कवि-शायर हैं तो सनातन सत्य एवं जीवनमूल्यों को सहजता से उद्घाटित करने वाले जादूगर भी है। वे उर्दू नक्षत्र का ऐसा जगमगाता सितारा हैं, जिसकी रोशनी शायरी को सराबोर करती रहेगी, इस अलमस्त शायर की शायरी की गूंज हमारे दिल और दिमाग में हमेशा जिन्दा रहेगी।

उन्हीं के शब्दों में कहें तो-
ऐ मौत आके खामोश कर गई तू,
सदियों दिलों के अन्दर हम गूंजते रहेंगे।

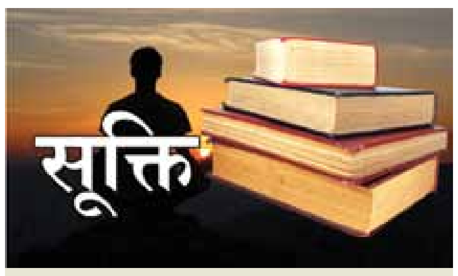

लंबी जिंदगी का महत्व नहीं है, जितना महत्व इसकी गहनता का है।

राल्फ वाल्डो एमर्सन

अच्छा निर्णय अनुभव से प्राप्त होता है लेकिन दुर्भाग्यवश अनुभव का जन्म गलत निर्णयों से होता है।

रीटा माए ब्राउन

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि नवमी/ दसवी, बुधवासरे, मृगशिरा नक्षत्र, व्रज योगे, वल करणे, मिथुन की चंद्रमा, भद्रा सु.4/39 से रात्रि 4/05 तक जययोग रात्रि 7/54 से रात्रि 4/5 तक तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, दार्शनिक, सुन्दर, सुशील, दयालु, सबको लेकर चलने वाला, शिक्षक-शिक्षाविद्, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, प्रबंधक, शासक-प्रशासक, उद्योग स्थापित करने वाला, उद्योगपति, कुशल वक्ता-अधितवक्ता।

मेष :- इस सप्ताह खर्च बढ़ेगा, व्यवसाय कार्य अल्प लाभ होगा, ध्यान दें।

वृष :- सज्जनों की संगति से लाभ होगा, कार्य में चतुराई से ही लाभ होगा, ध्यान रखें।

मिथुन :- मित्रों के अधिक विश्वास से विश्वासघात हो सकता है, ध्यान रखें।

कर्क :- व्यवसाय में अच्छा लाभ मिलेगा, किसी उत्सव में समलित होने का अवसर मिलेगा।

सिंह :- धन लाभ होगा, आनंद प्राप्ती के अवसर प्राप्त होंगे, हर्ष तथा यात्रा में सफलता मिले।

कन्या :- धन लाभ होगा, स्वास्थ्य सुधार होगा, समस्याओW का समाधान होगा, लाभ होगा।

तुला :- अधिकारियों से लाभ मिलेगा, शत्रुदल अकारण दब जायेगा किन्तु लाभ होगा।

वृश्चिक :- दाम्पत्य जीवन का मधुर संबंध अवश्य रहेगा, खुश रहेंगे, आनंद प्राप्त होगा।

धनु :- विरोधियों से आप सतर्क रहें, मानसिक तनाव बढ़ेगा तथा विरोध होगा, ध्यान दें।

मकर :- माता तथा संतान की ओर से विपरीत व्यवहार मिलेगा, शत्रु पक्ष परेशान रहे।

कुम्भ :- सामाजिक उत्सव में शामिल होंगे, बुधवार व गुरुवार को कार्यों से लाभ मिलेगा।

मीन :- स्थिति में कुछ सुधार होगा, स्वास्थ्य खराब होगा तथा व्यय अधिक होगा, ध्यान रखें।

दूध बेचने वाले भंगू ने की 45000 करोड की ठगी, जेल में मौत

सनत जैन

पर्ल ग्रुप के अध्यक्ष निर्मल सिंह भंगू की मौत हो गई है। उनके ऊपर 45000 करोड रुपए की ठगी के आरोप थे। जिन्होंने देश भर में 5 लाख से अधिक लोगों को ठगा। हजारों करोड रुपए की धन संपदा इकट्ठी की। वह 2016 से तिहाड़ जेल में ठगी के आरोप में बंद थे। हजारों करोड़ों रुपए की संपत्ति के मालिक होते हुए भी, उन्हें अपनी अंतिम सांसें जेल में लेनी पड़ी। जेल में उनको हार्ट अटैक का दौरा पड़ा। जेल कर्मचारी उन्हें अस्पताल लेकर गए। डीडीयू के अस्पताल ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है। मृतक भंगू भारत और पाकिस्तान की सीमा से लगे अटारी गांव का रहने वाला था। उसका बचपन दूध बेचने मैं बीता। पैसे कमाने के लिए वह कोलकाता पहुंचा। घोटाले का मास्टर माइंड निर्मल सिंह कोलकाता स्थित कंपनी पियरलेस के संपर्क में आया। वहां उसने चिटफंड कंपनी का काम सीखा उसके बाद वह गोल्डन फॉरेस्ट इंडियन कंपनी से जुड़ा। कुछ साल बाद यह कंपनी बंद हो गई। उसके बाद निर्मल सिंह ने अपनी पर्ल गोल्डन फॉरेस्ट कंपनी बनाई। 1996 में इस कंपनी का नाम बदलकर पीसीएल कर दिया। यह अपनी कंपनी में लोगों को 5 साल में पैसा दुगना करने का भरोसा दिलाता था। देश के कई राज्यों में इसने 5 लाख से अधिक लोगों के पैसे अपनी कंपनी में जमा कराए। पैसा जमा करने के लिए यह अपने एजेंटों को भारी कमीशन देता था। लोग 5 साल में पैसा दुगने होने के लालच में कंपनी में पैसा जमा करते थे। एजेंट ज्यादा कमीशन मिलेगा, इस लालच में लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। निर्मल सिंह ने कई कंपनियों का एक समूह तैयार कर लिया था। जिसमें प्रॉपर्टी और एनएफसी बैंकिंग की तरह काम किया जाता था। लोग किस्तों में पैसे जमा करते थे, कंपनी एफडी भी जारी करती थी। कंपनी पर ठगी और धोखाधड़ी के आरोप लगे। 8 जनवरी 2016 को सीबीआई ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तब से वह तिहाड़ जेल में बंद था। कुल मिलाकर हजारों करोड़ों रुपए का मालिक भंगू के कुछ साल तो ऐशो आराम में गुजारे। लेकिन अपना अंतिम समय जेल में बिताना पड़ा। जो प्रतिष्ठा अर्जित की थी, वह गँवानी पड़ी। जेल में ही उसकी मौत हो गई। कुछ इसी तरह की कहानी सहारा प्रमुख सुब्रतो राय की थी। वह पहले पत्रकारिता से जुड़े, बाद में वह भी पीयरलेस जैसी चिटफंड कंपनियों के संपर्क में आए। उन्होंने भी सहारा इंडिया के नाम से कंपनी बनाई। लोगों को जल्द जमा पैसे पर रिटर्न देने का वादा किया। बैंक में जब 7-8 साल में पैसे डबल होते थे। उस समय सहारा कंपनी ज्यादा रिटर्न देने का लालच देकर लोगों के पैसे अपनी कंपनी में जमा कराते थे। सुब्रत राय की भी 14 नवंबर 2023 को मौत हो गई। 2.82 लाख करोड़ की संपत्ति के मालिक सुब्रतो राय को 2 साल जेल में रहना पड़ा। आज भी सहारा कंपनी में जिन लोगों ने पैसे निवेश किए थे। वह उन्हें अभी तक वापस नहीं मिले। सहारा समूह के सुब्रत राय का कारोबार बड़ी तेजी के साथ पूरे देश भर में फैला था। लाखों करोड़ रुपए की कंपनी सहारा बन गई थी। जैसे ही पैसा जमा होना शुरू हुआ। सुब्रतो राय ने जमा पैसे का उपयोग फिल्म निर्माण, मीडिया, विमानन कंपनी, खेलों के प्रायोजित करने और रियल एस्टेट का व्यापार करने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश करना शुरू कर दिया था। जिन-जिन क्षेत्रों में सहारा ने निवेश किया। वहां से उनको प्रतिफल नहीं मिला। विमानन कंपनी घाटे में चली गई। मीडिया कंपनी घाटे में थी। राजनेताओं और नौकरशाही को सहारा समूह द्वारा भारी चंदा और रिश्वत दी गई। सहारा प्रमुख भी अपने निवेशकों की जमा राशि को वापस नहीं कर पाए। 4 जनवरी 2010 को इंदौर के रोशन लाल ने सहारा रियल एस्टेट और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट द्वारा जारी बांड के बारे में एनएचबी में शिकायत की थी। शिकायत सही पाई गई, सीबीआई ने सहारा प्रमुख को जेल भेज दिया। जेल में रहते हुए इन्हें हजारों करोड़ों रुपए सेबी में जमा करने पड़े। सारी संपत्ति जांच एजेंसियों के कब्जे में है। जैसे खाली हाथ आए थे, वैसे ही खाली हाथ सुब्रतो राय सहारा को भी भगवान के पास जाना पड़ा। लालच की खेती का कुछ इसी तरह का परिणाम देखने को मिलता है। निवेशक ज्यादा लाभ पाने के लालच में निवेश करते हैं। इसका फायदा ठगी करने वाले ठग उठाते हैं। लाखों लोग सहारा में निवेश करके ठन-ठन गोपाल हो गए। सहारा का पैसा सेबी और वित्त मंत्रालय के पास जमा है।

मरीजों को पीड़ामुक्त करती नर्सों के चेहरे की मुस्कान भी बनी रहे!

डॉ0 आर.के. सिन्हा

भारत में रोगियों का अस्पतालों में तस्ल्लीबख्श इलाज किस तरह से हो, इस मसले पर नए-नए सुझाव सामने आते रहते हैं। सब अपने-अपने अनुभव और जानकारी के हिसाब से बताते हैं कि रोगियों को हम किस तरह से उच्च कोटि का इलाज दे सकते हैं। पर सारी बहस में हेल्थ सेक्टर की जान नर्सो के योगदान और उनके हितों की चर्चा कहीं पीछे छूट जाती है। यह बात ध्यान रखने की है कि अपने पेशे के प्रति निष्ठावान नर्सों के बिना रोगियों को सही ढंग से इलाज ही संभव नहीं है। इसलिए नर्सों की ट्रेनिंग और इनकी पगार और दूसरी सुविधाओं, खासकर इनके साथ होने वाले विनम्र व्यवहार पर खास देते रहना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का मानना है कि एक हजार की आबादी पर चार नर्से लाजिमी तौर पर होनी चाहिए। भारत अभी तक इस स्थिति तक नहीं पहुंचा है। भारत में एक हजार लोगों पर औसत दो ही प्रशिक्षित नर्से उपलब्ध हैं। भारत को अपने हेल्थ सेक्टर को बेहतर बनाने के लिए नर्सिंग क्षेत्र को और सशक्त बनाना होगा। हमारे यहां हर साल करीब ढाई लाख नई नर्से प्रशिक्षित होकर आ जाती हैं। यह बहुत साफ है कि नर्से किसी भी देश के हेल्थ सेक्टर की जान होती हैं, जो रोगी की देखभाल, उपचार का संचालन और रोगी के मनोबल को बढ़ाकर उन्हें स्वस्थ करने में अहम रोल निभाती हैं। भारत में नर्सों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। नर्स अपने आप में डॉक्टरों से कोई बहुत पीछे नहीं होती, रोगियों का इलाज करने में। उदाहरण के रूप में कैंसर रोगियों का इलाज करने के लिए विशेष ज्ञान और कौशल की आवश्यकता होती है। ऑन्कोलॉजी नर्सों को उपचार का संचालन करने, दुष्प्रभावों का प्रबंधन करने और रोगियों और उनके परिवारों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करने में कुशल होना चाहिए। इसी प्रकार किडनी या लिवर ट्रांसप्लांट के मरीजों को संक्रमण (इन्फेक्शन) से बचाना एक बड़ी समस्या है जिससे निपटने के लिये प्रशिक्षित नर्से ही प्राणरक्षक का कार्य करती हैं। अंग्रेज नर्स ''फ्लोरेंस नाइटिंगल'' विश्व में आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक मानी जाती हैं। बेशक, नर्स किसी भी देश की चिकित्सा प्रणाली का जरूरी अंग हैं। यह रोगियों की जांच में फिजिशियनों एवं ऑपरेशन के दौरान भी सर्जनों की सहायता करती हैं, फीवर और बल्ड शुगर, ब्लड प्रेशर, पल्स रेट आदि नियमित रूप से रिकॉर्ड करती हैं, रोगियों को दवा खिलाने/पिलाने, इंजेक्शन देने का कार्य करती हैं, घावों की पट्टियां बदलती हैं और रोगियों के उपचार का रिकॉर्ड, तापमान, पल्स रेट, पोषाहार, सुधार आदि का रिकॉर्ड भी रखती हैं। अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, नर्सों को अक्सर उनके योगदान के लिए बहुत कम पहचान मिलती है और उनके पेशेवर विकास के अवसर भी कम ही होते हैं। यह सबको पता है कि भारत में अधिकतर नर्स केरल से आती हैं, यूरोप और अमरीका में फिलीपींस से। दोनों ही स्थान समंदर के किनारे बसे हैं। यह अपने घरों को और बाल-बच्चों परिवार को देखने के अलावा नाइट-ड्यूटी भी करती हैं। फिलीपींस और केरल दोनों से हर साल हजारों नर्से निकलती हैं। नर्से भारत के विभिन्न भागों अलावा अरब खाड़ी के अन्य देशों में जातीं हैं। फिलीपींस वाली नर्से ज्यादा पसंद करती हैं अमरीका और यूरोप। इन दोनों जगहों की नर्सों ने अपनी मेहनत और लगन से सारी दुनिया में अपना नाम कमाया है। दिल्ली का सेंट स्टीफंस अस्पताल गुजरे सवा सौ सालों से रोगियों का इलाज कर रहा है। यहां की नर्सों को इस अस्पताल को स्थापित करने वाली संस्था दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी की तरफ से सीख मिलती रही है कि जनसेवा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। इसके चलते सेंट स्टीफंस अस्पताल या इसे छोड़कर किसी अन्य जगह पर जाकर काम करने वाली नर्से हमेशा रोगियों के साथ खड़ी रहती हैं। अगर आप खेलों की दुनिया को करीब से नहीं भी जानते हैं तो भी आपने भारत के मशहूर धावक अमोज जैकब का नाम सुना होगा? हो सकता है कि कि आप कहें कि नर्सों की चर्चा करते हुए हम भटक तो नहीं रहे। यह बात नहीं है। जैकब उस भारतीय पुरुष 4x400 रिले टीम के मेंबर थे जिसने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नए राष्ट्रीय और एशियाई रिकॉर्ड के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में भी भाग लिया था। अमोज जैकब की मां राजधानी दिल्ली के एक अस्पताल में हेड नर्स हैं। अमोज जैकब कहते हैं कि मेरी मां ने दिन-रात रोगियों की सेवा करते हुए मुझे भी हमेशा प्रोत्साहित किया कि मैं बेहतरीन धावक बन जाऊं। अब तो भारत के सभी प्रदेशों से नर्से आ रही हैं खासकर पहाड़ी प्रदेशों उत्तरांचल, मणिपुर, अरुणाचल, मिजोरम, नागालैंड, मेघालय, सिक्किम आदि से। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि केरल की नर्सों की अब भी सब जगहों में बहुत मांग है। वह जहां जाती हैं, वहां पर केरल का नाम रोशन भी करती हैं। उन्हें बेहतर सेवा करने के बदले में अच्छी से अच्छी सैलरी भी मिलनी चाहिए। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार, करीब साढ़े छह लाख भारतीय नर्से देश से बाहर जाकर काम कर रही हैं। जाहिर हैं कि इतनी बड़ी संख्या में नर्सों के देश से बाहर काम करने से देश में और उनके परिवारों में पर्याप्त काफी विदेशी मुद्रा आती ही होगी। भारत की सबसे बड़ी लक्जरी कारें और बसें उपलब्ध करवाने वाली मान ट्रांसपोर्ट कंपनी के चेयरमेन अमृत मान तो नर्सों की बात होते ही बहुत भावुक हो जाते हैं। वे बताते हैं कि अगर उनकी राजधानी के जयप्रकाश नारायण अस्पताल (पहले इर्विन अस्पताल) में हेड नर्स के रूप में काम करने वाली मां ने उनका साथ न दिया होता तो वह अपने को स्थापित नहीं कर पाते। अमृत मान की मां ने अपने बेटे को अपनी रिटायरमेंट के वक्त मिले पैसे से टैक्सी दिलवाई। उसके बाद अमृत मान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी कंपनी ही जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत सरकार को लक्जरी कारें और बसें उपलब्ध करवा रही थी। भारत में, नर्सिंग एक ऐसा पेशा है जो महिलाओं द्वारा बड़े पैमाने पर चुना जाता है। इस क्षेत्र में पुरुष नर्सों की भूमिका अभी भी ऐसे क्षेत्रों तक सीमित है, जिसमें रोगियों को उनकी न्यूनतम आवश्यकता होती है जैसे आई.सी.यू.। अभी भी विशेष रूप से प्रसूति एवं महिला रोग विज्ञान विभाग में पुरुष नर्सों को स्वीकार नहीं करते। जानकार मानते हैं कि भारत में एक लाख सहायक नर्स (मिडवाइफों) तथा चार लाख सामान्य नर्स (मिडवाइफों) की कमी है। आप भी मानेंगे कि इस तरह के बहुत भाग्यशाली ही लोग होते हैं, जिन्हें कभी अस्पताल में जाना नहीं पड़ता। उन कठिन दिनों में हमें नर्स की सेवा और उनकी मुस्कान से कितनी राहत मिलती है, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है। इसलिए यह परम आवश्यक है कि नर्सो के चेहरों मुस्कान बनाए रखने के लिए सरकार और समाज इनके हितों को देखे। जब मैं बहुत ही बीमार था और मेरा किडनी प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) हुआ था, मुझे दिल्ली के गंगाराम अस्पताल और सिंगापुर के माउन्ट एलिजाबेथ अस्पताल में महीनों बिताने पड़े थे। नर्सों के व्यवहार और उनकी मुस्कुराहट का मेरे स्वास्थ्य लाभ में बड़ा योगदान है। लेकिन, यदि आप उनका व्यवहार बढ़िया हो, ऐसा छह रहे हैं, तो आपको भी उन्हें अपनी बेटी और बहन की तरह ही मान कर व्यवहार करना होगा।

थाईलैंड में चीन से क्यों पिछड़ रहा भारत

ओंकारेश्वर पांडेय

थाईलैंड में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करना भारत के लिए जरूरी जिस थाईलैंड में भारतीय पंडितों के बगैर पूजा नहीं होती, जिसके साथ भारत के ढाई हजार साल पुराने संबंध हैं, जो महज 4-5 घंटे की दूरी पर है, और जहां भारतीय पर्यटक बहुतायत में जाना पसंद करते हैं – उस थाईलैंड में आज भारत चीन से क्यों पिछड़ रहा है। थाईलैंड में चीन की न सिर्फ आर्थिक बल्कि सैन्य गतिविधियां भी तेजी से बढ़ी हैं। वहां की नयी प्रधानमंत्री बनी 37 वर्षीया पैटॉन्गटर्न शिनावात्रा थाईलैंड के पिता पूर्व प्रधानमंत्री थाक्सिन शिनावात्रा के साथ भारत के गहरे संबंध रहे हैं। तो आज भारत के लिए इन संबंधों का फायदा उठाकर थाईलैंड में चीन का बढ़ता प्रभाव कम करने का समय है। क्या भारत इस दिशा में कोई ठोस पहल कर सकता है? बैंकॉक भारतीयों का पसंदीदा पर्यटन स्थल है। नई दिल्ली से थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक जाने में महज चार-पाँच घंटे लगते हैं। अब यदि आप बैंकॉक जाएंगे, तो वहां आपका स्वागत थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री पैटॉन्गटर्न शिनावात्रा की सरकार करेगी। भारत और थाईलैंड के संबंध हजारों साल पुराने हैं। चाहे वह व्यापार हो, सांस्कृतिक आदान-प्रदान हो, या फिर सामरिक दृष्टिकोण से जुड़ी साझेदारी हो, दोनों देशों के बीच के संबंध अद्वितीय हैं। परंतु, वर्तमान समय में, थाईलैंड का झुकाव चीन की तरफ अधिक होता दिख रहा है, जो भारत के लिए एक चुनौती हो सकती है। भारतीयों के लिए थाईलैंड न केवल पर्यटन का एक लोकप्रिय केंद्र है, बल्कि ऐतिहासिक रूप से भी दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध गहरे रहे हैं। पैटॉन्गटर्न, जिन्हें उंग इंग के नाम से भी जाना जाता है, अपनी चाची यिंगलक शिनावात्रा के बाद प्रधानमंत्री बनने वाली थाईलैंड की दूसरी महिला नेता हैं। उनका चुनाव भारत के लिए उनके पिता प्रधानमंत्री थाक्सिन द्वारा स्थापित गर्मजोशी भरे संबंधों को और मजबूत करने का एक रणनीतिक अवसर है। थाई राजनीति का यह नया दौर ऐसे समय में आया है, जब भारत का व्यापक लक्ष्य दक्षिण पूर्व एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना है। उनके राजनीतिक करियर का उदय एक विशेष रूप से अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य के बीच हुआ, जब थाईलैंड में संवैधानिक अदालत ने उनके पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री स्रेथा थविसिन को एक विवादास्पद कैबिनेट नियुक्ति के कारण पद से हटा दिया। थाईलैंड में सैन्य हस्तक्षेप और राजनीतिक अस्थिरता का लंबा इतिहास रहा है। 2006 और 2014 में हुए दो बार हुए सैन्य तख्तापलट ने देश की राजनीति को बुरी तरह प्रभावित किया। थाईलैंड की पहली महिला प्रधानमंत्री, यिंगलक शिनावात्रा, जो पैटॉन्गटर्न की चाची हैं, का कार्यकाल भी इसी अस्थिरता का शिकार हुआ। हालांकि, भारत के लिए इन घटनाओं के बीच एक रणनीतिक अवसर भी छिपा है। थाक्सिन शिनावात्रा और भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल 2001 से 2006 के दौरान भारत-थाईलैंड संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई। आर्थिक-रणनीतिक सहयोग बढ़ा। मुक्त व्यापार समझौता हुआ, और संयुक्त सैन्य अभ्यास और द्विपक्षीय नौसैनिक रक्षा सहयोग भी शुरु हुआ। समुद्री सहयोग व कनेक्टिविटी बढ़ाने के अलावा भारत, म्यांमार और थाईलैंड के बीच त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजनाओं के माध्यम से दोनों देशों में उल्लेखनीय सहयोग देखा गया। भारत की स्वतंत्रता के बाद सन 1947-76 के दौरान भारत-थाई संबंध ठंडे रहे थे। 1970 के दशक तक थाईलैंड पर सैन्य शासकों का शासन था। 1986 में भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी की थाईलैंड यात्रा ने इस स्थिति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1994 में शुरू हुई भारत की लुक ईस्ट नीति और थाईलैंड की लुक वेस्ट नीति ने द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम दिया। इसके बाद के वर्षों में, दोनों देशों ने अपने आर्थिक और सामरिक सहयोग को बढ़ाया। 2011 में थाक्सिन की बहन यिंगलक शिनावात्रा के प्रधानमंत्री बनने के बाद उनके कार्यकाल (2011-2014) के दौरान भारत और थाईलैंड के बीच कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिनमें रक्षा, सुरक्षा, और व्यापार पर ध्यान केंद्रित किया गया। हालांकि, 2014 में यिंगलक शिनावात्रा को भी सत्ता से बेदखल कर दिया गया, और वह अब चीन में निर्वासित जीवन बिता रही हैं। इस बीच, थाईलैंड और चीन के संबंध मजबूत होते गए। थाईलैंड अब चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का हिस्सा है और दोनों देशों के बीच व्यापारिक और सैन्य सहयोग में भी तेजी आई है। चीन ने थाईलैंड में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में बड़ा निवेश किया है, जैसे कि बैंकॉक को लाओस-चीन हाई स्पीड रेल से जोड़ने का प्रोजेक्ट। इसके अलावा, चीन ने थाईलैंड को 5G नेटवर्क स्थापित करने के लिए हुवावे जैसी कंपनियों के माध्यम से भी सहायता प्रदान की है। थाईलैंड में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत ही नहीं अमरीका के लिए भी महत्वपूर्ण चुनौती है। शीत युद्ध के बाद से अमरीका थाईलैंड का प्राथमिक हथियार आपूर्तिकर्ता रहा, लेकिन यह स्थान अब चीन ने ले लिया है। चीन ने न केवल थाईलैंड के रक्षा क्षेत्र में अपने प्रभाव को बढ़ाया है, बल्कि थाईलैंड के साथ नियमित रूप से संयुक्त सैन्य अभ्यास भी किया है। इसके अलावा, थाईलैंड ने चीन से बड़ी संख्या में टैंक, बख्तरबंद वाहन, और पनडुब्बियाँ खरीदी हैं। चीन अब थाईलैंड का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन गया है। 2023 में थाईलैंड में चीन का कुल निवेश 43% बढ़कर 23.79 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो थाईलैंड की अर्थव्यवस्था पर चीन के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023 में लगभग 14 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। हालांकि, इस व्यापार में भारत का हिस्सा कम है। थाईलैंड में भारत का मुख्य निर्यात कपड़ा, रत्न और फार्मास्यूटिकल्स हैं, जबकि थाईलैंड से भारत को आयात मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उपभोक्ता उत्पादों का है। भारत और थाईलैंड दोनों ही आसियान क्षेत्रीय मंच और एशिया सहयोग वार्ता जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर एक साथ काम करते हैं। भारत ने दक्षिणी थाईलैंड में इस्लामी अलगाववादियों से निपटने के लिए थाई लोगों की सहायता की, जिसके बदले थाईलैंड ने कंबोडिया में उत्पन्न होने वाले हथियारों की आपूर्ति के लिए उनकी जमीन का उपयोग करने वाले भारतीय अलगाववादियों के खिलाफ कार्रवाई की। 2006 से भारत-थाई नौसेनाओं की अंडमान सागर में प्रतीकात्मक समन्वित गश्त और जनवरी 2012 में रक्षा सहयोग के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बावजूद कहीं न कहीं दोनों देशों के सुरक्षा संबंध अपेक्षाकृत अविकसित ही हैं। कुल मिलाकर थाईलैंड में भारत चीन से पिछड़ रहा है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

टनल इंजीनियर बनें, देश के साथ विदेशों में भी है अच्छी अपॉर्चुनिटी

अगर टनल इंजीनियर शब्द आपके लिए नया है, तो बता दें हम आपको इस फील्ड से संबंधित सारी जानकारी देने जा रहे हैं। टनल इंजीनियरिंग का कोर्स कर आप महीने के लाखों रुपए कमा सकते हैं।

दिल्ली मेट्रो में यात्रा करने वाले लोगों का टनल से तो वास्ता जरूर होता होगा। टनल ट्रांसपोटेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर का हमेशा से एक अभिन्न अंग रहा है। इंजीनियर और एक्सपर्ट्स मिलकर टनल को तैयार करते हैं। सिविल इंजीनियरिंग का ही एक पार्ट टनल इंजीनियरिंग है। यह जियोटेक्निकल और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग का एक कॉम्बिनेशन होता है। बता दें कि टनल इंजीनियर को चट्टानों व मिट्टी की काफी अच्छी समझ होती है। आपको बता दें कि आप टनल इंजीनियरिंग कर अपने भविष्य को एक दिशा दे सकते हैं। अगर टनल इंजीनियर शब्द आपके लिए नया है, तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि टनल इंजीनियर कैसे बनते रहें, इसके लिए कौन सा कोर्स करना चाहिए और इसमें जॉब की क्या संभावनाएं होती हैं।

योग्यता

यदि कोई युवा इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहता है, तो उसको सबसे पहले सिविल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री प्राप्त करनी होगी। इसके बाद वह टनल कंस्ट्रक्शन में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। वहीं सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक या एमटेक करने के बाद आप टनल बोरिंग की तकनीकों में जानकारी हासिल कर सकते हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के विश्वविद्यालय टनल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा और सर्टिफिकेशन कोर्स ऑफर करते हैं। इसके अलावा बीटेक-एमटेक करने के बाद भी आप टनल इंजीनियर बनने के लिए सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं।

सैलरी

भारत देश में एक टनल इंजीनियर की एवरेज सैलरी करीब 1,73,615 रुपए के महीने के आसपास होती है। हालांकि नॉलेज, स्किन और एक्सपीरियंस के हिसाब से ग्रोथ मिलती रहती है। ऐसे में युवा इस फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

ई-मेल मार्केटिंग का कोर्स कर कॅरियर को दें नई दिशा

आज के समय में कंपनियां बड़ी संख्या में डिजिटल कंटेट राइटर, ईमेल मार्केटिंग मैनेजर और लीड ईमेल कटेंट मार्केटर हायर करती हैं। ऐसे में आप भी इस क्षेत्र में अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

वर्तमान समय में ईमेल के जरिए हर कंपनी मार्केटिंग अभियानों को कस्टमर तक पहुंचाने का काम कर रही हैं। आपको बता दें कि ग्राहकों के लिए ई-मेल मार्केटर ऐसी कॉपी लिखते हैं। जो कस्टमर को कंपनी के साथ इंगेज कर सके। इसके लिए ईमेल मार्केटर हर ईमेलर के लिए स्ट्रैटली तैयार करते हैं। वह कटेंट से लेकर ग्राफिक्स तक तैयार करवाते हैं। इस काम के लिए कंपनियां बड़ी संख्या में डिजिटल कंटेंट राइटर, ईमेल मार्केटिंग मैनेजर और लीड ईमेल कंटेंट मार्केटर हायर करती हैं।
ऐसे में आप भी इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाकर घर बैठे काम सीख सकते हैं। इसके जरिए कंपनियां हफ्ते भर में होने वाली गतिविधियां न्यूजलेटर के जरिये ग्राहकों को हर हफ्ते भेजती रहती हैं। जिस कारण ईमेल मार्केटिंग आज एक बड़ी फील्ड के तौर पर उभरा है। ऐसे में अगर आप भी ईमेल मार्केटिंग करना जानते हैं, तो आप इस फील्ड में आसानी से लाखों का पैकेज उठा सकते हैं। इस फील्ड में कॅरियर बनाने के लिए आप डिजिटल मार्केटिंग कोर्स कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको इस फील्ड से संबंधित सारी जानकारी देने का प्रयास कर रहे हैं।

क्या होती है ई-मेल मार्केटिंग

आपको बता दें कि यह एक कमर्शियल मैसेज की तरह होता है, जिसके इस्तेमाल से कंपनी सीधे तौर पर कस्टमर को टारगेट करती है। इसकी मदद से कंपनी कस्टमर को अपने उत्पाद के बारे में जानकारी देने के साथ उसकी उपयोगिता और विश्वसनीयता को बढ़ाने का काम करती है। यही कारण है कि ई मेल मार्केटिंग का कन्वर्जन रेट बाकी मार्केटिंग तरीकों की तुलना में ज्यादा होता है। वहीं कुछ टूल्स और सॉफ्टवेयर की मदद से आप इस काम को घर बैठे भी कर सकते हैं। ई-मेल मार्केटिंग में आप एक साथ सैकड़ों लोगों को कंपनी का मेल भेज सकते हैं।

ई-मेल मार्केटिंग का लक्ष्य

- अपने बिजनेस वेबसाइट को प्रमोट करना
- नए ऑफर्स की जानकारी कस्टमर्स को देना
- अपने उत्पादों को उपभोक्ता तक पहुंचाना
- अपने वेबसाइट का ट्रैफिक बढ़ाना

कैसे करें ई-मेल मार्केटिंग

अगर आप भी इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो आपके पास ई-मेल अकाउंट होना चाहिए। वर्तमान समय में तमाम कंपनियां ई-मेल के जरिए अपने मार्केटिंग अभियान को चलाती हैं। इस फील्ड में जाने के लिए आपके पास ई-मेल लिस्ट, मार्केटिंग टूल्स सेटअप होने के साथ ई मेल टेम्प्लेट भी होना भी जरूरी है।

ई-मेल मार्केटिंग कोर्स के लाभ

- ई-मेल मार्केटिंग के जरिए आप अपने बिजनेस या उत्पाद को प्रमोट कर सकते हैं।
- एक ही समय में आप कई लोगों को ई-मेल भेजने का काम कर सकते हैं।
- साथ ही आपके मेल को किसने देखा और किसने स्पैम किया, आप इसकी भी जानकारी ले सकते हैं।
- बता दें कि इसका कनवर्जन रेट काफी ज्यादा है।
- आप बेहद कम बजट के साथ यह मार्केटिंग कर सकते हैं।
- इसमें कस्टमर डायरेक्ट कंपनी से संवाद कर सकते हैं।

सैलरी

आपको बता दें कि इस फील्ड में कॅरियर बनाने वाले युवाओं को सालाना 6 लाख रुपए तक का पैकेज मिलता है। वहीं एक्सपीरियंस बढ़ने के साथ ही सैलरी में इंक्रिमेन्ट होता रहता है।

कोर्स की खासियत

- गूगल सर्टिफाइड अनुभवी फैकल्टी द्वारा प्रशिक्षण
- साप्ताहिक डाउट क्लीयरिंग सेशन
- 100 घंटे लाइव इंटरेक्टिव क्लासेस
- एक्सपर्ट्स के साथ मास्टर क्लास
- 100 फीसद प्लेसमेंट असिस्टेंस
- 20 से ज्यादा लर्निंग टूल्स
- 8+ लाइव प्रोजेक्ट्स
- कम्प्लीमेंट्री कोर्स-सॉफ्ट स्किल्स

कॅरियर को मिलेगी नई दिशा

युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट, प्रोफेशनल और और लॉन्ग टर्म कोर्सेज की शुरुआत की गई है। बता दें कि डिजिटल मार्केटिंग के अलावा कई ऐसे कोर्स हैं, जिनको करके युवा अपने कॅरियर को नई दिशा दे सकते हैं।

कंटेंट मार्केटिंग के जरिए हर कंपनी बन रही बेस्ट
युवाओं के लिए हैं कई अवसर

कोई भी कंपनी अपने प्रोडक्ट का प्रचार करने के लिए कंटेंट का सहारा लेती है। कंपनी द्वारा अपने प्रोडक्ट के लिए प्रचार करने का एक हिस्सा होता है। जिसे कंपनी के लिए काम करने वाले कंटेंट राइटर्स द्वारा किया जाता है।

अगर आप भी हर रोज अपने मोबाइल में तमाम विभिन्न कंपनियों द्वारा भेजे गए दर्जनों मैसेज, नोटिफिकेशन्स और व्हाट्सअप मैसेज और ईमेल्स को देखते होंगे। यह कंपनी द्वारा अपने प्रोडक्ट के लिए प्रचार करने का एक हिस्सा होता है। जिसे कंपनी के लिए काम करने वाले कंटेंट राइटर्स द्वारा किया जाता है। एक सर्वे के मुताबिक किसी भी कंपनी को तेजी से ग्रोथ पाने के लिए कंटेंट की जरूरत होती है। कंटेंट के जरिए ही बिजनेस लोगों के बीच पहचाना जाता है, जो धीरे-धीरे ब्रांड बन जाता है। यही कारण है कि साल 2026 तक कंटेंट मार्केटिंग का सेक्टर अपने वार्षिक रिवेन्यू को डबल करने जा रहा है। वहीं अगर साल 2022 के कंटेंट मार्केटिंग रिवेन्यू की बात की जाए, तो सिर्फ कंटेंट मार्केटिंग कंपनियों ने 66 बिलियन यूएस डॉलर गेन करने का काम किया है। ऐसे में अगर आप भी ग्रेजुएट हैं और अपने के लिए एक अच्छी नौकरी की तलाश में हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

कंटेंट मार्केटिंग में स्कोप

- वर्तमान समय में कंटेंट ही किंग है।
- हर फील्ड की कंपनियां अपने कस्टमर से कनेक्ट करने के लिए कंटेंट का सहारा लिया जाता है।
- साल 2019 से 80% कंपनियां कंटेंट के जरिए मार्केटिंग कर रही हैं।
- साल 2021 में 97% कंपनियां कंटेंट के माध्यम से मार्केटिंग करना शुरूकर चुकी हैं।
- वहीं साल 40% मार्केटर्स ने साल 2022 में कंटेंट मार्केटिंग का बजट बढ़ाया है।
- जो युवा इस फील्ड में कॅरियर बनाना चाहते हैं, उनको आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। एक्सपीरियंस के साथ ही सैलरी बढ़ती रहती है।
- बता दें कि कंटेंट मार्केटर की शुरुआती सैलरी 25,000 रुपए महीना होती है।

कस्टमर को कैसे दें प्रोडक्ट की जानकारी

हर फील्ड में कंपनी या प्रोडक्ट के बारे में ग्राहकों को कई तरीके से जानकारी दी जाती है। आप वीडियो, जीआईएफ, ब्लॉग पोस्ट, इंफोग्राफिक, ईमेल न्यूजलेटर के जरिए कस्टमर को प्रोडक्ट की जानकारी दे सकते हैं। वहीं कस्टमर को जागरुक करने का सबसे प्रभावी तरीका प्रोडक्ट के बारे में तैयार किया गया ऑडियो विजुअल फॉर्मेट है। जोकि सबसे ज्यादा प्रचलन में है।

डिजिटल मार्केटिंग प्रोग्राम की खूबी

डिजिटल मार्केटिंग कोर्स बाकी संस्थानों की अपेक्षा कम कीमत में मिलता है। इस फील्ड में आपको 40 से अधिक टूल्स और मॉड्यूल्स के बारे में सिखाया जाता है। इसके अलावा आप सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन, कंटेंट राइटिंग, गूगल एड, ई-मेल मार्केटिंग, फेसबुक एड, सोशल मीडिया मार्केटिंग, ग्रॉफिक्स डिजाइन, एंटरप्रेन्योरशिप स्किल भी सिखाई जाती हैं। इसमें कैंडिडेट को स्पोकन इंग्लिश की ट्रेनिंग दी जाती है। साथ ही कैंडिडेट को 2 महीने की ऑन जॉब ट्रेनिंग भी दी जाती है।

जॉब

- पे पर क्लिक एक्सपर्ट्स
- सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन
- सोशल मीडिया मैनेजर
- एफिलिएट मार्केटिंग
- गूगल एड एक्सपर्ट्स
- ई-मेल मार्केटिंग

मेधावी छात्रों को कोलगेट दे रहा बंपर स्कॉलरशिप

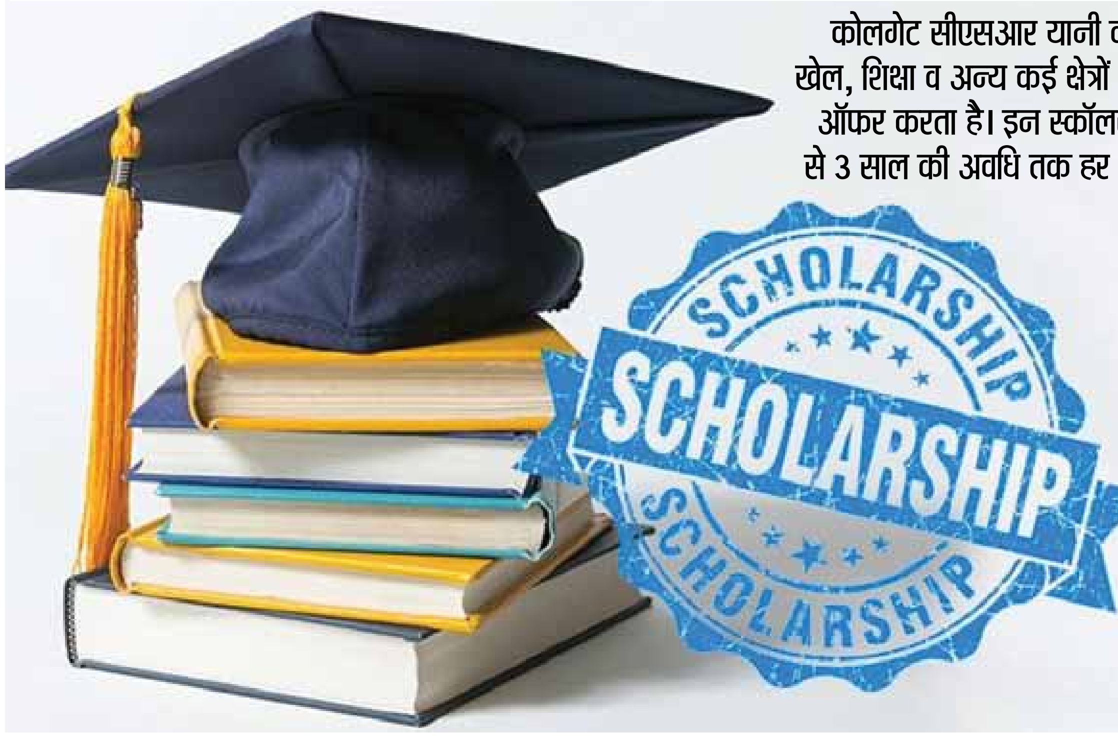

कोलगेट सीएसआर यानी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी के तहत खेल, शिक्षा व अन्य कई क्षेत्रों में योगदान के लिए स्कॉलरशिप प्रोग्राम ऑफर करता है। इन स्कॉलरशिप के लिए चयनित उम्मीदवारों को 2 से 3 साल की अवधि तक हर साल 75,000 रुपए प्रदान किए जाएंगे।

कोलगेट देश की सबसे बड़ी दंत मंजन कपनियों में से एक है। यह कंपनी सीएसआर यानी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी के तहत खेल, शिक्षा व अन्य कई क्षेत्रों में योगदान के लिए स्कॉलरशिप प्रोग्राम ऑफर करता है। इस प्रोग्राम का नाम कोलगेट कीप इंडिया स्माइलिंग स्कॉलरशिप प्रोग्राम है। इस योजना के तहत मेधावी छात्रों को अपने सपने को पूरा करने की दिशा में प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा मेधावी छात्रों को उचित मेंटरशिप भी प्रदान करता है।
आपको बता दें कि कोलगेट कीप इंडिया स्माइलिंग फाउंडेशन के तहत उम्मीदवारों का चयन विभिन्न स्कॉलरशिप के लिए किया जाता है। इन स्कॉलरशिप के लिए चयनित उम्मीदवारों को 2 से 3 साल की अवधि तक हर साल 75,000 रुपए प्रदान किए जाएंगे। इस योजना का लाभ लेने के लिए 11वीं कक्षा से लेकर ग्रेजुएशन तक के छात्र आवेदन कर सकते हैं। हालांकि अलग-अलग क्लास के लिए अनिवार्य शैक्षिक योग्यताएं हैं।

क्वालिफिकेशन

- इस स्कॉलरशिप का लाभ वर्तमान में बीडीएस पाठ्यक्रम के किसी भी वर्ष में नामांकित छात्र ले सकते हैं।
- छात्रों को न्यूनतम 60% अंकों के साथ कक्षा 12 की परीक्षा पास होना अनिवार्य है।
- आवेदन के इच्छुक उम्मीदवारों का किसी भी मान्यता प्राप्त सरकारी या प्राइवेट स्नातक बीडीएस संस्थान में नामांकित होना चाहिए।
- छात्र के परिवार की सालाना वार्षिक आय 8 लाख से कम होनी चाहिए।
- यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम का लाभ सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए है।

डॉक्यूमेंट्स

- आवेदक का पासपोर्ट आकार का फोटो
- आय प्रमाण (फॉर्म 16ए/सरकारी प्राधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र/बीपीएल प्रमाण पत्र/वेतन पर्ची, आदि)
- छात्रवृत्ति आवेदक का बैंक खाता विवरण (रद्द चेक/पासबुक कॉपी)
- प्रवेश का प्रमाण (कॉलेज आईडी कार्ड/बोनाफाइड प्रमाणपत्र, आदि)
- पिछली कक्षा की मार्कशीट या ग्रेड कार्ड
- वर्तमान शैक्षणिक वर्ष की शुल्क रसीद
- फोटो पहचान प्रमाण (आधार कार्ड)
- विकलांगता प्रमाणपत्र (यदि लागू हो)

स्कॉलरशिप का लाभ

इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत 11वीं के छात्रों को 2 साल तक 20,000 रुपए, ग्रेजुएशन व डिप्लोमा धारक छात्रों को तीन सालों तक 30,000 रुपए, अंडरग्रैजुएट/इंजिनियरिंग के स्टूडेंट्स को 4 सालों तक 30,000 रुपए, वोकेशनल कोर्स कर रहे छात्रों को 1 साल तक 20,000 रुपए और स्पोर्टसपर्सन को 3 सालों तक 75-75 हजार रुपये मिलेगा।

आईसीसी ने महिला टी20 विश्वकप का नया कार्यक्रम जारी किया

- 3 अक्टूबर से शुरु होगा
- 6 अक्टूबर को होगा भारत-पाक मुकाबला

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले महिला टी20 विश्वकप के लिए नया कार्यक्रम जारी कर दिया है। आयोजन स्थल में आये बदलाव के चलते ही कार्यक्रम में ये बदलाव आया है। नये कार्यक्रम के अनुसार विश्व कप 3 अक्टूबर को बांग्लादेश और स्कॉटलैंड मैच से शुरू होगा। वहीं भारतीय टीम का पहला मुकाबला 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से दुबई में होगा। वहीं भारत और पाकिस्तान का अहम मुकाबल 6 अक्टूबर को दुबई में होगा। . सेमीफाइनल और फाइनल मैचों दोनों के लिए 'रिजर्व डे' रखा गया है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 28 सितंबर से एक अक्टूबर तक होने वाले 10 अभ्यास मैचों से होगी। पहले ये विश्वकप बांग्लादेश में होना था पर खराब राजनीतिक हालातों और हिंसा को देखते हुए इसे यूएई में आयोजित किया जा रहा है हालांकि मेजबान बांग्लादेश बोर्ड ही रहेगा। इसमें पहले की तरह ही दो ग्रुप रहेंगे। ग्रुप ए में गत चैंपियन आस्ट्रेलिया,भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड शामिल हैं। इसमें सभी टीमें हर टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी। हर ग्रुप से दो शीर्ष टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल मुकाबले 17 और 18 अक्टूबर को होंगे। इसके बाद 20 अक्टूबर को दुबई में फाइनल खेला जाएगा।

टूर्नामेंट का कार्यक्रम इस प्रकार है:

- 3 अक्टूबर, गुरुवार, बांग्लादेश बनाम स्कॉटलैंड, शारजाह
- 3 अक्टूबर गुरुवार, पाकिस्तान बनाम श्रीलंका, शारजाह
- 4 अक्टूबर, शुक्रवार, दक्षिण अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज, दुबई
- 4 अक्टूबर, शुक्रवार, भारत बनाम न्यूजीलैंड, दुबई
- 5 अक्टूबर, शनिवार, बांग्लादेश बनाम इंग्लैंड, शारजाह
- 5 अक्टूबर, शनिवार, आस्ट्रेलिया बनाम श्रीलंका, शारजाह
- 6 अक्टूबर, रविवार, भारत बनाम पाकिस्तान, दुबई
- 6 अक्टूबर, रविवार, वेस्टइंडीज बनाम स्कॉटलैंड, दुबई
- 7 अक्टूबर, सोमवार, इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, शारजाह
- 8 अक्टूबर, मंगलवार, आस्ट्रेलिया बनाम न्यूजीलैंड, शारजाह
- 9 अक्टूबर, बुधवार, दक्षिण अफ्रीका बनाम स्कॉटलैंड, दुबई
- 9 अक्टूबर, बुधवार, भारत बनाम श्रीलंका, दुबई
- 10 अक्टूबर, गुरुवार, बांग्लादेश बनाम वेस्टइंडीज, शारजाह
- 11 अक्टूबर, शुक्रवार, आस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान, दुबई
- 12 अक्टूबर, शनिवार, न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका, शारजाह
- 12 अक्टूबर, शनिवार, बांग्लादेश बनाम दक्षिण अफ्रीका, दुबई
- 13 अक्टूबर, रविवार, इंग्लैंड बनाम स्कॉटलैंड, शारजाह
- 13 अक्टूबर, रविवार, भारत बनाम आस्ट्रेलिया, शारजाह
- 14 अक्टूबर, सोमवार, पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड, दुबई
- 15 अक्टूबर, मंगलवार, इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज, दुबई
- 17 अक्टूबर, गुरुवार, पहला सेमीफाइनल , दुबई
- 18 अक्टूबर, शुक्रवार, दूसरा सेमीफाइनल , शारजाह
- 20 अक्टूबर, रविवार, फाइनल, दुबई.

बिग बैश टीम एडिलेड स्ट्राइकर्स ने मंधाना को शामिल किया

एडिलेड। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी खिलाड़ी स्मृति मंधाना अब ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट लीग (बिग बैश) में एडिलेड स्ट्राइकर्स की ओर से खेलती नजर आयेंगी। बिग बैश टीम स्ट्राइकर्स ने मंधाना को प्री-ड्राफ्ट में शामिल किये जाने की घोषणा की है। मंधाना को प्री ड्राफ्ट साइनिंग के तहत स्ट्राइकर्स ने शामिल किया है। इससे पहले इस भारतीय बल्लेबाज ने ब्रिस्बेन हीट, होबार्ट हरिकेंस और सिडनी थंडर की ओर से खेला था। साल 2021 में सिडनी थंडर की ओर से खेलते हुए उन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 64 गेंदों पर नाबाद 114 रन बनाये थे। ये इस टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त तौर पर दूसरा सबसे अधिक स्कोर है। मंधाना ने कहा, मैं हमेशा ऑस्ट्रेलिया में खेलने का इंतजार करती रही हूं। स्ट्राइकर्स की ओर से भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहूंगी। स्ट्राइकर्स की टीम काफी समय से मंधाना को शामिल करना चाहती थी पर पिछले सत्र में मंधाना ने काम का बोझ बढ़ने के कारण इस लीग के लिए अपने नाम नहीं दिया था। टीम की कोच ल्यूक विलियम्स ने कहा, मंधाना एक असाधारण प्रतिभा हैं और हम स्ट्राइकर्स में उनका स्वागत करते हैं। उनकी तकनीकी क्षमता, अनुभव और रणनीति हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण रहेगा। टीम के लिए मैदान पर वह जैसा समर्पण और ऊर्जा लाती है, उसे में जानती हूं। उनकी योग्यता और नेतृत्व क्षमता अगले सीजन में हमारे लिए काफी काम आएगी।

आरसीबी अब बदलावों के साथ उतरेगी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम बड़े बदलावों के साथ उतर सकती है। इस प्रकार की अटकलें हैं कि आरसीबी से तीन बड़े विदेशी खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। ये तीन खिलाड़ी हैं। कप्तान फाफ डु प्लेसिस, ऑलरांउडर कैमरन ग्रीन और ग्लेन मैक्सवेल। इन तीनो का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। आईपीएल 2025 सत्र के लिए इस साल के अंत में नीलामी होगी। आरसीबी आज तक खिताब नहीं जीत पायी है। ऐसे में अब उसका लक्ष्य नये खिलाड़ियों को शामिल करना रहेगा।

ग्लेन मैक्सवेल : मैक्सवेल को पिछले सत्र में 12.25 करोड़ रुपये में खरीदा गया था पर उन्होंने पूरे सत्र में केवल 52 रन ही बनाए थे। वहीं गेंदबाजी के दौरान केवल 6 विकेट लिए। वह अंतिम ग्यारह मे अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये।

फॉफ डुप्लेसिस : टीम इस बार मेगा नीलामी से पहले डुप्लेसिस को भी बार कर सकती है। आरसीबी ने फाफ डुप्लेसिस को आईपीएल मेगा नीलामी में 7 करोड़ रुपये में शामिल किया था। उन्होंने पिछले सत्र में टीम की कप्तानी की थी। डुप्लेसिस अब 40 की उम्र के करीब पहुंव गये हैं और ऐसे में उनकी जगह भविष्य को देखते हुए किसी युवा को कप्तानी मिल सकती है।

कैमरन ग्रीन : कैमरन ग्रीन को आरसीबी ने मुंबई इंडियंस से 17.5 करोड़ रुपये में आईपीएल 2024 के लिए शामिल किया किया था पर वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। वह 31 की औसत से 255 रन ही बना पाये बनाए। गेंदबाजी के दौरान भी वह केवल 10 विकेट ही ले पाये जबकि टीम को उनसे कहीं बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें थीं।

जब एक ही मैच में दो गेंदबाजों को मिले 6-6 विकेट

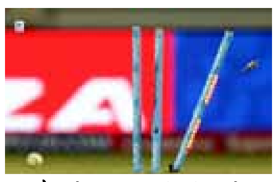

मुम्बई। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई अजीब रिकार्ड भी बनने रहे हैं। इस मैच में आयरलैंड की ओर से स्टर्लिंग और अफगानिस्तान की ओर से राशिद ने 6-6 विकेट लिए थे। तब दोनों ही टीमों ने पारियों में 300 से अधिक रन बनाये थे। वहीं एक बल्लेबाज ने शतक लगाया था जबकि एक अन्य शतक के करीब आकर भी उसे पूरा नहीं कर पाया था। इस मैच में अफगानिस्तान को 34 रनों से जीत मिली थी। तब इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान टीम ने 338 रन बनाए थे। असगर ने 101 रन बनये थे। वहीं आयरलैंड की ओर से गेंदबाजी करते हुए पॉल स्टर्लिंग ने 10 ओवर्स में 55 रन देकर 6 विकेट लिए थे। स्टर्लिंग इस मैच के बाद अभी भी इतने विकेट नहीं ले पाये। इस मैच में तक आयरलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। स्टर्लिंग ने गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 80 गेंदों पर 9 चौकों व 5 छक्कों की मदद से 95 रन की पारी खेली थी। स्टर्लिंग के आउट होने के बाद हालांकि आयरिश टीम ढ़ह गयी थी। अफगानी गेंदबाजों ने पूरी टीम को 47.3 ओवर्स में 304 रन तक समेट दिया था। तक स्पिर राशिद खान ने 43 रन देकर 6 विकेट लिए थे।

विनेश संन्यास के फैसले पर फिर विचार करे : संजय सिंह

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा है कि महिला पहलवान विनेश फोगाट को अपने संन्यास के फैसले पर फिर से विचार करना चाहिये। विनेश ने पेरिस ओलंपिक फाइनल से पहले वजन वर्ग में अयोग्य घोषित किये जाने के बाद निराश होकर खेल से संन्यास ले लिया था। कुश्ती महासंघ के प्रमुख का कहना है कि अगर विनेश केवल खेल जारी रखना चाहती हैं तो उन्हें अपने फैसले पर फिर विचार करना चाहिये पर अगर वह राजनीति में आना चाहती हैं तो बात अलग है। सिंह ने कहा, 'अगर विनेश को केवल कुश्ती खेलनी है, तो उन्हें संन्यास के अपने फैसले पर एक बार पुनर्विचार करना चाहिए क्योंकि उनसे प्रेरणा लेकर महिला पहलवानों की हमारी नयी पीढ़ी आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि अगर विनेश प्रतिस्पर्धात्मक कुश्ती में लौटती है तो महासंघ उन्हें पूरा सहयोग देगा। संजय ने यह भी कहा कि गत वर्ष हुए पहलवानों के आंदोलन से महासंघ ने सबक लिया है। उन्होंने कहा,''हम पेरिस ओलंपिक में भारतीय पहलवानों के छह पदक जीतने की उम्मीद कर रहे थे पर आंदोलन के कारण काफी समय तक कुश्ती की गतिविधियां ठप रहीं। इसी कारण इस बार ओलंपिक में केवल एक पदक ही मिल पाया है। उन्होंने हाल ही में जॉर्डन में खेली गई विश्व चैंपियनशिप में भारत की अंडर-17 महिला कुश्ती टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा था। इससे पता चलता है कि भारतीय महिला कुश्ती बहुत अच्छी स्थिति में है और लगातार आगे जा रही है। संजय ने कहा, 'अगर महासंघ को स्वतंत्र रूप से अपना काम करने दिया जाए और दो-चार संस्थाएं हमारे काम-काज में दखल देना बंद कर दें, तो हम अगले ओलंपिक में महिला कुश्ती में देश को चार से पांच पदक दिला सकते हैं।

व्यापार

जी-सोनी का मर्जर टर्मिनेशन विवाद सुलझा:दोनों कंपनियों के बीच एग्रीमेंट हुआ, इस खबर से जी एंटरटेनमेंट का शेयर 15% चढ़ा

मुम्बई। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड का शेयर आज (27 अगस्त) मंगलवार को बाजार में कारोबार के दौरान 15% चढ़ा। हालांकि, बाद में कंपनी का शेयर 11.61% की तेजी के साथ 150 रुपए पर बंद हुआ। सोनी के साथ मर्जर टर्मिनेशन डिस्प्यूट सुलझने से जी एंटरटेनमेंट के शेयर में यह तेजी देखने को मिली है। कंपनी का शेयर बीते 1 महीने में 5% चढ़ा और पिछले 6 महीने में 12.80% गिरा है।

एक साल में जी के शेयर में 42.61% की गिरावट रही- वहीं एक साल में जी के शेयर में 42.61% की गिरावट रही है। कंपनी का मार्केट कैप 14.49 हजार करोड़ रुपए है। जी ने कहा कि उसने मर्जर के टर्मिनेशन को लेकर सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के साथ सभी विवादों को निपटाने के लिए एक समझौता किया है।

दोनों कंपनियों ने एक-दूसरे के खिलाफ सभी दावों को वापस लिया- मीडिया फर्म ने स्टेटमेंट में कहा, 'एग्रीमेंट में जी और सोनी ने सिंगापुर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर (SIAC) में चल रही मध्यस्थता और नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) और अन्य मंचों में शुरू की गई सभी संबंधित कानूनी कार्यवाहियों में एक-दूसरे के खिलाफ सभी संबंधित दावों को वापस लेने पर सहमति व्यक्त की है।'

एग्रीमेंट से विवादों को सुलझाते हुए नॉन-कैश सेटलमेंट पर पहुंचे- दोनों कंपनियों ने कहा कि समझौते की शर्तों के तहत किसी भी पक्ष पर दूसरे के प्रति कोई बकाया या जारी दायित्व या देनदारी नहीं होगी। मर्जर कॉर्पोरेशन एग्रीमेंट से संबंधित सभी विवादों को सुलझाते हुए एक नॉन-कैश सेटलमेंट पर पहुंच गए हैं। दोनों कंपनियों के बयान के अनुसार, 'यह समझौता कंपनियों के बीच आपसी समझ से हुआ है, ताकि वे स्वतंत्र रूप से नए उद्देश्य के साथ भविष्य के विकास के अवसरों पर काम कर सकें। साथ ही अपने मीडिया और एंटरटेनमेंट बिजनेस पर फोकस कर सके, जो सभी विवादों के निर्णायक निष्कर्ष को दर्शाता है।'

23 मई को ZEE ने सोनी से 750 करोड़ टर्मिनेशन फीस मांगी थी- इससे पहले 23 मई को जी एंटरटेनमेंट ने सोनी ग्रुप की कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट और बांग्ला एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (BEPL) को टर्मिनेशन फीस के हिस्से के रूप में 90 मिलियन डॉलर का भुगतान करने को कहा था। जी एंटरटेनमेंट ने इस बात की जानकारी स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी थी। जी एंटरटेनमेंट ने फाइलिंग में कहा था, 'सोनी ग्रुप की इंडिया मीडिया यूनिट कल्वर मैक्स और BEPL मर्जर कॉरपोरेशन एग्रीमेंट (MCA) के तहत अपने दायित्वों का पालन करने में विफल रहे हैं। इसलिए, कंपनी ने MCA को समाप्त कर दिया है और कल्वर मैक्स और BEPL को MCA के अनुसार, टर्मिनेशन फीस यानी 90 मिलियन डॉलर (750 करोड़ रुपए) के बराबर कुल राशि का भुगतान करने के लिए कहा है।'

सोनी ने 22 जनवरी को डील खत्म करने की घोषणा की थी- अपने प्रपोज्ड मर्जर की घोषणा के दो साल से ज्यादा समय के बाद सोनी ने 22 जनवरी को डील को खत्म करने की घोषणा की थी। NCLT की मुंबई बेंच ने 10 अगस्त 2023 को सोनी ग्रुप की एंटिटीज कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट और BEPL के साथ ZEEL के मर्जर की स्कीम को मंजूरी दी थी। इस डील के पूरा होने के बाद 10 बिलियन डॉलर (83,277 करोड़ रुपए) की एक मीडिया यूनिट बन सकती थी।

जी ने मर्जर डील पर 432 करोड़ रुपए खर्च किए थ- रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, जी एंटरटेनमेंट ने सोनी ग्रुप कॉर्पोरेशन की इंडिया मीडिया यूनिट कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट के साथ अपनी फेल मर्जर डील पर 2023-24 और 2022-23 के दौरान मर्जर से जुड़ी लागत में 432 करोड़ रुपए खर्च किए थे। सोनी ग्रुप कॉर्पोरेशन ने कहा था कि ZEEL मर्जर की शर्तों को पूरा करने में विफल रहा और उसने सिंगापुर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर (SIAC) के समक्ष मध्यस्थता कार्यवाही भी शुरू की। जिसमें टर्मिनेशन फीस के रूप में 90 मिलियन डॉलर का दावा किया गया था।

दुनिया की सबसे महंगी कार है रोल्स-रॉयस कंपनी की

कार का पूरा नाम है रोल्स-रॉयस लारोज नोयर ड्रापटैल

नई दिल्ली। क्या आपको पता है कि दुनिया की सबसे महंगी कार कौन सी है? यह कार लग्जरी कार निर्माता कंपनी रोल्स-रॉयस की है। इस कार का पूरा नाम रोल्स-रॉयस लारोज नोयर ड्रापटैल है। इस कार की कीमत इतनी है कि देश के दो टॉप अमीर मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की सालाना सैलरी भी काफी कम पड़ जाएगी। फोर्ब्स के मुताबिक इस कार की कीमत करीब 250 करोड़ रुपये है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी कोरोना तक 15 करोड़ रुपये सालाना सैलरी ले रहे थे। कोरोना के समय से उन्होंने सैलरी के तौर पर एक रुपया भी नहीं लिया है। वहीं अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना सैलरी 9 करोड़ रुपये रही है। अगर मान लें कि अंबानी अभी भी अपनी सालाना सैलरी 15 करोड़ रुपये ले रहे होते तो अंबानी और अडानी दोनों की कुल सालाना सैलरी 23 करोड़ रुपये होती। ऐसे में भी कार की कीमत दोनों की कुल सैलरी से 10 गुने से ज्यादा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुकेश अंबानी के पास फेरारी, मर्सिडीज बेंज, रोल्स-रॉयस, बीएमडब्ल्यू आदि की कारें मौजूद हैं। मुकेश अंबानी जिस कार की सवारी करना पसंद करते हैं, उसका नाम मर्सडीज-मेबाच बेंज एस660 गार्ड है। यह कार एडिशनल प्रोटेक्शन के साथ आती है। इस कार पर गोलियों का असर नहीं होता। इसकी कीमत करीब 11 करोड़ रुपये है। कुछ समय पहले ही मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी ने रोल्स-रॉयस की पैंथम कार खरीदी थी। इसकी कीमत 12 करोड़ रुपये बताई गई है। अडानी भी कारों के काफी शौकीन हैं। उनके पास दुनिया की महंगी और ब्रांडेड कारों का कलेक्शन है। इसमें बीएमडब्ल्यू सीरीज से लेकर मर्सिडीज, फेरारी और लिमोजिन जैसी गाड़ियां शामिल हैं। गौतम अडानी की पसंदीदा कारों में रोल्स रॉयस घोष्ट भी शामिल है। यह कार काफी प्रीमियम और लग्जरी है। इसे करीब 7 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस कार के अलावा उनके पासबीएमडब्ल्यू7-सीरीज, ऑडी क्यू7, फेरारी केलीफोर्निया आदि कारें भी हैं। मालूम हो कि इन दिनों कार बनाने बनाने वाली कंपनियां एक से एक महंगी कार लॉन्च कर रही हैं। इनकी कीमत 2, 4 या 5, 6 करोड़ रुपये तक होती है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में उतार चढ़ाव जारी, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली तेजी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव होता नजर आ रहा है। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.04 प्रतिशत और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से लार्सन एंड टूब्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजी, इंफोसिस, सिप्ला और एलटी माइंडट्री के शेयर 1.45 प्रतिशत से लेकर 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर बीपीसीएल, जेएसडब्ल्यू स्टील, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व के शेयर 1.79 प्रतिशत से लेकर 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,261 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,403 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 858 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 19 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 117.12 अंक की मजबूती के साथ 81,815.23 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक लाल निशान में गिर कर 81,600.51 अंक तक पहुंच गया। हालांकि पहले आधे घंटे का कारोबार होने के बाद ही बाजार में खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक ने रिकवरी करके हरे निशान में दोबारा अपनी जगह बना ली। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 31.97 अंक की बढ़त के साथ 81,730.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 14.20 अंक की बढ़त के साथ 25,024.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने की वजह से ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में 24,973.65 अंक तक पहुंच गया। लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक ने दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 3.60 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 25,014.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 611.90 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ 81,698.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 187.45 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,010.60 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

सोने में सपाट कारोबार, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना बिना किसी बदलाव के कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी के भाव में आज मामूली कमजोरी नजर आ रही है। भाव में बदलाव नहीं होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज भी 24 कैरेट सोना 73,180 रुपये से लेकर 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 67,090 रुपये से लेकर 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में मामूली गिरावट आई है। कीमत में आई इस गिरावट की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 87,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,080 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज भी 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मीना कुमारी की जिंदगी को बड़े पर्दे पर निभाना चाहती हूं: रसिका दुग्गल

मुंबई। मिर्जापुर वेब सीरीज में बीना त्रिपाठी का किरदार निभाकर वाहवाही लूट चुकीं रसिका दुग्गल ने मीना कुमारी की भूमिका निभाने की इच्छा जाहिर की है। एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने कहा कि वह दिवंगत स्टार मीना कुमारी की जिंदगी को बड़े पर्दे पर निभाना चाहती हैं। उनका कहना है कि वह इस तरह के रोल के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह मेकर्स की सुध का इंतजार कर रही हैं। एक इंटरव्यू के दौरान रसिका दुग्गल ने कहा, 'मैंने बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाई है, क्योंकि ऐसा किरदार निभाना एक दिलचस्प है। आप किसी ऐसे व्यक्ति के किरदार को कैसे निभा सकते हैं, जिसके बारे में हर कोई पहले से ही बहुत कुछ जानता हो और जिनकी एक अलग पहचान भी हो। मीना कुमारी के अलावा अमृता प्रीतम के किरदार को निभाने की भी मुझे लंबे समय से इच्छा रही है। बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि कोई मुझे कास्ट करेगा, लेकिन, अगर मीना कुमारी के किरदार में कोई एक्ट्रेस होती तो मुझे लगता है कि वह मैं होती। एक्ट्रेस को हाल ही में मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव के 15वें संस्करण में सम्मानित किया गया था। अवॉर्ड के बारे में एक्ट्रेस ने कहा, 'एक एक्टर के रूप में हमें अपने करियर के दौरान कुछ मुश्किल विकल्पों को चुनना पड़ता है। कोई भी व्यक्ति हमेशा अपने विकल्पों पर दोबारा विचार करता है, क्योंकि इसका कोई पैमाना नहीं होता है। हर एक एक्टर का सफर इतना अनूठा होता है कि इसमें कोई बेंचमार्क नहीं होता है।

तमन्ना भाटिया ने दिखाई अपने लंच बाक्स की झलक

एक्ट्रेस ने बताया उन्हें भिंडी कितनी है पसंद

मुंबई। इस्टाग्राम पर बालीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपने लंच की एक झलक दिखाई और बताया कि उन्हें भिंडी कितनी पसंद है। प्लेटफॉर्म के स्टोरीज सेक्शन में उन्होंने एक खूबसूरत सेल्फी पोस्ट की, जिसमें उन्हें सफेद रंग की ड्रेस में कार में बैठे हुए देखा जा सकता है। वह खिड़की से बाहर देखते हुए पोज दे रही हैं। तस्वीर का कैप्शन है: लंच में क्या है? दिवा ने एक और तस्वीर पोस्ट की जिसमें उनका लंच बॉक्स दिख रहा है। इसमें भिंडी क्विनोआ, दाल और नींबू शामिल हैं। इसका कैप्शन है: सभी भिंडी प्रेमियों के लिए। हाल ही में तमन्ना ने कॉमेडी हॉरर फिल्म स्त्री 2 के गाने आज की रात पर अपने डांस परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया है। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो के बैनर तले दिनेश विजन और ज्योति देशपांडे ने किया है। 2018 की फिल्म स्त्री के सीक्वल में श्रद्धा कपूर और राजकुमार मुख्य भूमिका में हैं। साथ ही इसमें पंकज त्रिपाठी, अभिषेक और अपारशक्ति खुराना भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। काम की बात करें तो तमन्ना को पिछली बार सुंदर सी. द्वारा निर्देशित तमिल कॉमेडी हॉरर फिल्म अरनमनई 4 में देखा गया था। इसमें तमन्ना के साथ सुंदर, राशि खन्ना, रामचंद्र राजू, संतोष प्रताप, कोवई सरला, योगी बाबू, वी.टी.वी. गणेश और दिल्ली गणेश हैं। वह निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित और जी स्टूडियो, एम्मे एंटरटेनमेंट तथा जेए एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित एक्शन ड्रामा वेदा में भी एक कैमियो भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म में जॉन अब्राहम, शरवरी और अभिषेक बनर्जी हैं। तमन्ना के पास अशोक तेजा द्वारा निर्देशित और संपत नंदी द्वारा निर्मित तेलुगु सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म ओडेला 2 पाइपलाइन में है। फिल्म में हेबाह पटेल, वशिष्ठ एन. सिम्हा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही इसमें युवा, नागा महेश, वामसी, गगन विहारी, सुरेंदर रेड्डी, भूपाल और पूजा रेड्डी भी हैं। बता दें कि इंस्टाग्राम पर तमन्ना के 2.61 करोड़ फॉलोअर्स हैं, जिनके लिए वे हमेशा कुछ न कुछ नए फोटोज एवं वीडियोज शेयर करते रहती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें: रुबीना दिलैक

मुंबई । छोटे परदे की अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर छुट्टियों की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। उन्होंने कैप्शन में ट्विस्ट के साथ 2024 में सीखी गई बातें बताई हैं। उन्होंने लिखा, 2024 में मैंने जो सीखा है। मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। आप केवल वही दे सकते हैं जो आपके पास है। अपने परिवार का पालन-पोषण करें, यह आपके मूल्यों की नींव है। एकमात्र व्यक्ति, जो आपके लिए अपना जीवन समर्पित करेगा, वह आपका साथी है, उसका सम्मान करें। उन्होंने आगे लिखा, माता-पिता तेजी से बूढ़े हो रहे हैं, जल्दी से जल्दी उनसे बहस करना छोड़ दें और उनके साथ अधिक समय बिताएं। कभी भी अपनी ऊर्जा यह साबित करने में खर्च न करें कि आप कितने प्रासंगिक हैं। बता दें कि रुबीना ने 2018 में अपने लंबे समय के प्रेमी अभिनेता अभिनव शुक्ला से शादी की। 2023 में इस जोड़े ने जुड़वां बेटियों को जन्म दिया। उन्होंने बच्चियों का नाम जीवा और एधा रखा है। रुबीना ने छोटे पर्दे पर छोटी बहू से अपना करियर का शुरुआत की थी। इसके बाद वह सास बिना ससुराल, पुनर्विवाह - एक नई उम्मीद, देवों के देव...महादेव, जीनी और जूजू और शक्ति - अस्तित्व के एहसास की जैसे शो में नजर आईं। रुबीना ने फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 12 और झलक दिखला जा 10 में भी हिस्सा लिया था।

हिंदी में अब तंगलान होगी 30 अगस्त को रिलीज

मुंबई। पीरियड ड्रामा तंगलान के हिंदी वर्जन की अब ऑफिशियल रिलीज डेट आ गई है। पा. रंजीत द्वारा डायरेक्टेड और चियान विक्रम और मालविका मोहनन स्टारर फिल्म को जबरदस्त रिव्यूज और फैंस से कमाल के रिएक्शंस माइक हैं, और यह बॉक्स ऑफिस पर भी एक हिट साबित हुई है। ऐसे में अब नॉर्थ के एग्जिबिटर्स फिल्म की हाई डिमांड के वजह से हिंदी में इसे रिलीज करने के लिए के रहे हैं। 15 अगस्त को साउथ इंडियन सिनेमाघरों में तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सफल रिलीज के बाद, फिल्म अब हिंदी में 30 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। तंगलान के मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर एक नए पोस्टर के साथ रिलीज की डेट की घोषणा की है। पोस्टर संग कैप्शन में लिखा हुआ है: तंगलान ने पहले ही अपने जबरदस्त एक्शन सीन्स, दमदार परफॉर्मेंस और पा. रंजीत के अनोखे कहानी कहने के स्टाइल के कारण ध्यान अपनी तरफ खींचा है। हिंदी में रिलीज होने के साथ ही यह फिल्म

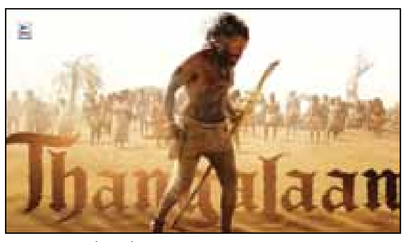

नए दर्शकों को आकर्षित करने के लिए तैयार है। तंगलान का कॉन्सेप्ट अनोखा है और इसके ट्रीटमेंट ने पहले ही दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ाई है।यह फिल्म एक अनोखी मिस्टीकल पीरियड ड्रामा है। मालविका मोहनन रहस्यमय शक्तियों वाली एक जनजाति की नेता की भूमिका निभा रही हैं, जो चियान विक्रम के किरदार से टकराती है। तंगलान साउथ की एक और बड़ी फिल्म होने जा रही है। यह कोलार गोल्ड फील्ड्स की सच्ची कहानी पर आधारित है, जिसकी अंग्रेजों ने खोज की और अपने फायदे के लिए इसका इस्तेमाल किया। यह फिल्म दर्शकों के लिए अनोखी कॉन्सेप्ट लाने की साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की परंपरा को आगे ले जाएगी।

अबूधाबी में आईफा अवार्डस 2024 चलेगा 27 से 29 सितंबर तक

मुंबई। आईफा अवार्डस 2024 का 24वां संस्करण अबू धाबी में 27 से 29 सितंबर तक चलेगा। तीन दिवसीय इस इवेंट की मेज़बानी बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान और फिल्ममेकर करण जौहर करेंगे। आईफा अवॉड्र्स के 24वें संस्करण को लेकर शाहरुख खान ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि "आईफा भारतीय सिनेमा का एक प्रमुख उत्सव है, जिसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई देती है। इसमें शामिल होना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं आईफा की ऊर्जा और भव्यता को एक बार फिर से जिंदा करने के लिए उत्सुक हूं।" वहीं, करण जौहर ने भी अपनी खुशी जाहिर की और कहा, "आईफा मेरे जीवन का एक अहम हिस्सा रहा है। मेरे पिता इस इवेंट के शुरुआती वर्षों में सलाहकार बोर्ड के सदस्य थे और भारतीय सिनेमा का जश्न मनाने के मिशन में उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया। शाहरुख खान के साथ इस साल आईफा को होस्ट करना मेरे लिए गर्व की बात है।" बता दें, अवार्ड शो के कार्यक्रम के अनुसार, 27 सितंबर को दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का जश्न मनाया जाएगा। 28 सितंबर को आईफा अवाड्र्स की मुख्य रात होगी और 29 सितंबर को म्यूजिक को समर्पित किया जाएगा। ऐसे में एक्टर शाहिद कपूर ने भी इस इवेंट के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त की और कहा, "आईफा मेरे लिए हमेशा एक रोमांचक यात्रा रही है। अबू धाबी में परफॉर्म करने के लिए मैं बेहद उत्साहित हूं। मैं अपने फैंस के लिए कुछ असाधारण प्रस्तुत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।"इस बार का आईफा अवाड्र्स एक भव्य आयोजन के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें भारतीय सिनेमा की दुनिया की प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति निश्चित है।इस इवेंट में बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ इंडस्ट्री के भी कई प्रमुख कलाकार शामिल होंगे।

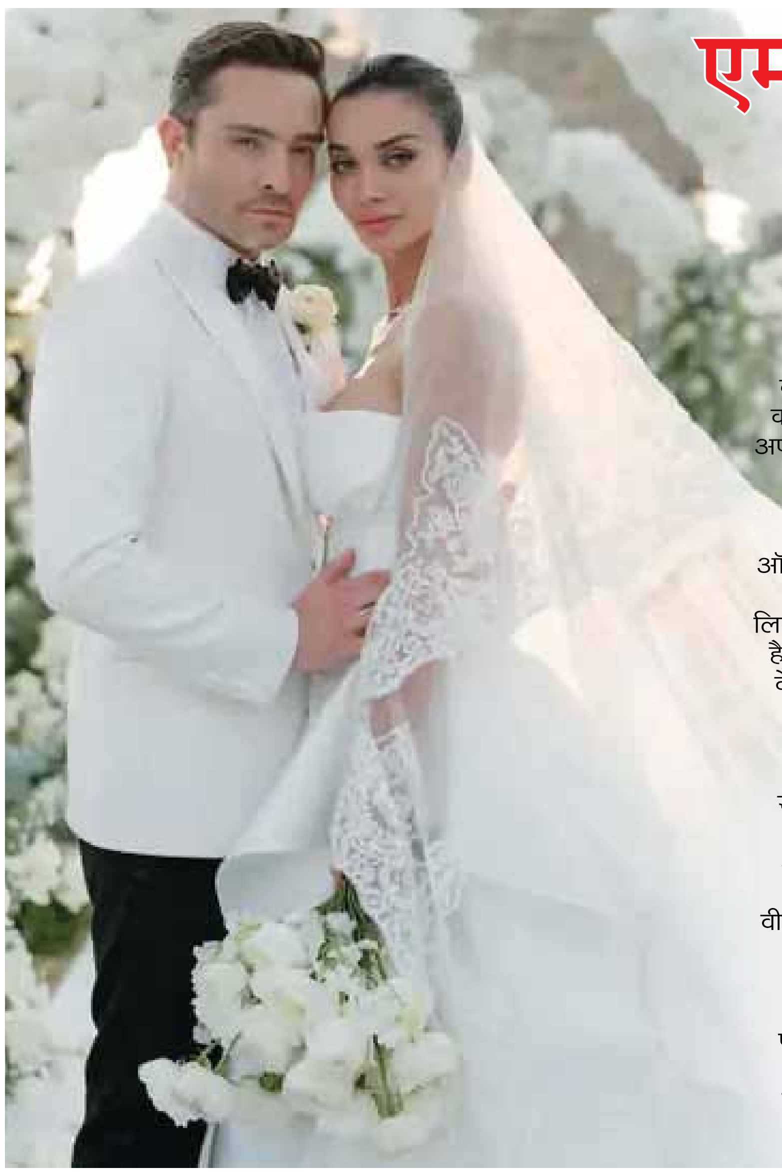

एमी जैक्सन की शादी की पहली झलक सामने आई: इटली के अमाल्फी कोस्ट में हुई इंटीमेट वेडिंग

सिंह इज ब्लिंग, एक दीवाना था और 2.0 जैसी बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रहीं एमी जैक्सन ने 23 अगस्त को बॉयफ्रेंड एड वेस्टविक से शादी कर ली है। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की हैं।

एमी जैक्सन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से शादी की तस्वीरें शेयर कर लिखा है, सफर बस शुरू ही हुआ है। बताते चलें कि एमी ने इटली के अमाल्फी कोस्ट में बॉयफ्रेंड एड वेस्टविक से क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से शादी की है।

एमी जैक्सन ने वेडिंग सेरेमनी में अलबर्टा फेरेटी की डिजाइनर गाउन पहनी थी। ऑफ-शोल्डर नेकलाइन वाली कस्टम गाउन के साथ लेसी वील में एमी बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

महज करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों की मौजूदगी में वेडिंग फंक्शन की शुरुआत एक यॉट पार्टी से हुई थी। सभी मेहमान पहले एक प्राइवेट जेट से वेन्यू तक पहुंचे थे।

बताते चलें कि एमी जैक्सन 2022 से म्यूजिशियन एड वेस्टविक के साथ रिलेशनशिप में हैं। कपल ने जनवरी 2024 में सगाई की थी, जिसके बाद अब उनकी शादी 23 अगस्त को हुई है। एमी जैक्सन 32 साल की हैं, जबकि एड 37 साल के हैं।

शादी की तस्वीरों से पहले एमी जैक्सन ने वेडिंग डेस्टिनेशन पर पहुंचने से पहले प्राइवेट जेट की कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की थीं। तस्वीरों में एमी अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ एंजॉय करती नजर आई थीं।

बताते चलें कि साल 2009 में मिस टीन वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद एमी जैक्सन ने साल 2010 में तमिल फिल्म मद्रासपट्टिनम से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने साल 2012 की फिल्म एक दीवाना था से बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म में उनके को-स्टार प्रतीक बब्बर थे, जिनके साथ वो 1 साल तक रिलेशनशिप में भी रही थीं। आगे वो येवडु, आई, थेरी, देवी, विलेन, सिंह इज ब्लिंग, 2.0 और क्रैक जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

2 सालों से हॉलीवुड म्यूजिशियन को डेट कर रही थीं